मौसम जम्मू न्यूनतम 17 अधिकतम 27

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-265 | जम्मू तवी, बुधवार 29 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह) 3 रूपये | पृष्ठ -8

विधायकों ने विधानसभा में प्रमुख जन मुद्दे उठाए

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू और कश्मीर विधान सभा में कई विधायकों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण जनहित मुद्दे शून्यकाल के दौरान उठाए और सरकार से शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया। डोडा पश्चिम के विधायक शक्ति राज परिहार, हीरानगर के विधायक एडवोकेट विजय गुप्ता और उधमपुर पश्चिम के विधायक पवन गुप्ता ने शिक्षा विभाग से जम्मू संभाग के दूरदराज क्षेत्रों में तैनात शिक्षकों के लिए वार्षिक स्थानांतरण अभियान को शीघ्र पूरा करने तथा पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे शिक्षकों और व्याख्याताओं के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की तत्काल बैठक आयोजित करने का आग्रह किया। शिक्षा विभाग की प्रभारी मंत्री सकीना इत्तू ने सदन को सूचित किया कि यह मामला पहले से ही प्रक्रिया में है और एटीडी को समय पर पूरा करने के लिए एक समिति गठित की गई है। जनजातीय समुदायों को उत्पीड़न का सामना करने की समस्या उठाते हुए हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद गनी लोन और गांगन के विधायक मियां मेहर अली ने सरकार से आग्रह किया कि वन विभाग के अधिकारी अनावश्यक हस्तक्षेप से बचें और वन-निवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करें। इस सत्र के दौरान बांदीपोरा के विधायक निजामुद्दीन भट्ट ने सदन के व्यावसायिक नियमों का पालन सुनिश्चित करने पर बल दिया ताकि विधानसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित हो सके। रामबन के विधायक अर्जुन सिंह राजू ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के पीएचई उप-मंडल में सहायक कार्यकारी अभियंता की नियुक्ति की आवश्यकता की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया, ताकि विभाग का सुचारू संचालन सुनिश्चित हो सके। बनिहाल के विधायक सज्जाद शाहीन ने अपने क्षेत्र में हाल ही में हुई आगजनी की घटना का उल्लेख करते हुए सरकार से प्रभावित परिवारों को पर्याप्त राहत, पुनर्वास और मुआवजा प्रदान करने का आग्रह किया। जम्मू पूर्व के विधायक युद्धवीर सेठी ने तवी नदी के किनारे तेजी से हो रहे अतिक्रमणों पर चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि भविष्य में बाढ़ की स्थिति में ये अवैध निर्माण गंभीर क्षति का कारण बन सकते हैं। भद्रवाह के विधायक दिलीप सिंह परिहार ने अपने क्षेत्र में बाढ़ से क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की बहाली और प्रभावित लोगों के लिए राहत उपायों हेतु पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराने की मांग की।

रामगढ़ के विधायक डॉ. देविंदर कुमार मण्याल ने जम्मू में कस्टोडियन भूमि प्राप्त किसानों की स्थिति पर चिंता व्यक्त की, जिन्हें अब तक विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ नहीं मिले हैं, और सरकार से इन किसानों को भी लाभ का दायरा बढ़ाने की मांग की। उडी के विधायक डॉ. सज्जाद शफी ने बोनियार के लिए एक समर्पित अग्निशमन वाहन की मांग की और हाल ही में आग लगने से क्षतिग्रस्त दरुल उलूम संस्था के पुनर्वास समर्थन की अपील की। पंपोर के विधायक जस्टिस (सेवानिवृत्त) हसनैन मसूदी ने विधायक मेहराज मलिक की निरुद्धता पर विस्तार से चर्चा की मांग की और पंपोर में बार-बार आने वाली बाढ़ को रोकने के लिए नदी चैनलों की गाद निकासी की आवश्यकता पर बल दिया। लोलाब के विधायक क़ैसर जमशैद लोन ने अपने क्षेत्र के लिए शीघ्र बर्फहटाने की योजना बनाने और सर्दियों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसफॉर्मर बैंक स्थापित करने की मांग की। ज़ैनपोरा के विधायक शोवकत हुसैन गनई ने बी और सी ग्रेड सेब उत्पादक किसानों के हितों की रक्षा के लिए मार्केट इंटरवेंशन योजना लागू करने की मांग की।आर.एस. पुरा दक्षिण के विधायक नरेंद्र सिंह रैना ने जम्मू जिले में एसटी-2 श्रेणी के सदस्यों को जातीय प्रमाणपत्र प्राप्त करने में आ रही कठिनाइयों का मुद्दा उठाया और उनके लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया की मांग की। शांगस-अनंतनाग पूर्व के विधायक रेयाज अहमद खान ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की खाई को पाटने के लिए स्नातकोत्तर डॉक्टरों को सेवा बंधन तंत्र के माध्यम से निर्धारित अवधि के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया। कुपवाड़ा के विधायक मीर मोहम्मद फैज़ ने आर्थिक रूप से कमजोर बिजली उपभोक्ताओं के लिए एकमुश्त माफी योजना की मांग की, जो अपने पुराने बकाया चुकाने में असमर्थ हैं। वागूरा-क्रीरी के विधायक इरफान हाफिज लोन ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि विधायक मेहराज मलिक की गिरतारी पर विस्तृत चर्चा की अनुमति देने के लिए कुछ व्यवसायिक नियमों को निलंबित करने पर विचार किया जाए। जदीबल के विधायक तनवीर अली सादिक ने श्रीनगर के झील क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को अपने घरों के निर्माण या नवीनीकरण की अनुमति प्राप्त करने में हो रही कठिनाइयों की ओर ध्यान आकर्षित किया और इस संबंध में नीति हस्तक्षेप की मांग की।

जम्मू-कश्मीर में जल जीवन मिशन की समय-सीमा बढ़ाई गई दिसंबर 2028 तक

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने मंगलवार को कहा कि केंद्र ने केंद्र शासित प्रदेश में जल जीवन मिशन (जेजेएम) परियोजनाओं को पूरा करने की समय-सीमा दिसंबर 2028 तक बढ़ा दी है। 2024-25 के दौरान धनराशि जारी न होने के कारण इसमें देरी हुई थी।

विधानसभा में एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि जेजेएम के तहत सभी जलापूर्ति योजनाओं को शुरू में 31 मार्च, 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य

रखा गया था।

हालांकि, केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) और

जम्मू-कश्मीर में दो वर्षों में 3.3 लाख से ज्यादा श्रेणी प्रमाणपत्र जारी किए गए- सरकार

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने मंगलवार को कहा कि उसने पिछले दो वर्षों में विभिन्न सामाजिक और आर्थिक श्रेणियों के तहत 3.3 लाख प्रमाणपत्र जारी किए हैं।वहीद-उर-रहमान पारा के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सरकार ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रमाणपत्र जम्मू ज़िले में जारी किए गए, उसके बाद उधमपुर, कठुआ और राजौरी का स्थान है।इसमें कहा गया है कि दो वर्षों की अवधि में जम्मू-कश्मीर में कुल 70,268 अनुसूचित जाति, 60,243 अनुसूचित जनजाति, 76,664 अन्य पिछड़ा वर्ग, 21,386 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, 47,399 पिछड़ा वर्ग और 38,280 कृषि आय वर्ग प्रमाणपत्र जारी किए गए।

पिछले 2 वर्षों में रिकॉर्ड 4 करोड़ पर्यटकों ने जम्मू-कश्मीर का किया दौरा

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग ने मंगलवार को कहा कि उसने पिछले दो वर्षों में पर्यटन अवसंरचना के उन्नयन और प्रचार गतिविधियों पर 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं जिसके परिणामस्वरूप केंद्र शासित प्रदेश में रिकॉर्ड पर्यटकों का आगमन हुआ है।एक प्रश्न के उत्तर में पर्यटन मंत्री ने कहा कि पर्यटन अवसंरचना के लिए पूंजीगत व्यय बजट के तहत 2023-24 में 253.75 करोड़ रुपये और 2024-25 में 268.42 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। उन्होंने कहा कि हालांकि इस अवधि के दौरान कोई केंद्र प्रायोजित योजना लागू नहीं की गई।उन्होंने कहा कि विभाग ने विज्ञापन और प्रचार के लिए 50.50 करोड़ रुपये आवंटित किए जिनमें से 42.74 करोड़ रुपये का उपयोग किया गया। उन्होंने आगे कहा कि इन अभियानों से पर्यटकों की आमद में भारी वृद्धि हुई है और कई नए पर्यटन स्थल उभरे हैं।

भाजपा विधायक शक्ति परिहार ने शिक्षा विभाग में तबादलों में क्षेत्रीय भेदभाव का लगाया आरोप, मचा हंगामा

शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने कहा कि भाजपा भेदभाव का रोना रोने की आदी है

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मंगलवार को उस समय हंगामा मच गया जब डोडा पश्चिम से भाजपा विधायक शक्ति परिहार ने शिक्षा विभाग में तबादलों में क्षेत्रीय भेदभाव का आरोप लगाया।

परिहार ने दावा किया कि कश्मीर में शिक्षा विभाग में तबादले प्रभावित हुए हैं जबकि जम्मू की अनदेखी की गई है। इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हंगामा हुआ। शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने कहा कि भाजपा भेदभाव का रोना रोने की आदी है। उन्होंने कहा कि कोई भेदभाव नहीं है। विभाग में भर्तियों का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि कश्मीर घाटी में 350 नियुक्तियाँ की गईं जबकि जम्मू क्षेत्र में 860 नियुक्तियाँ की गईं। इट्टू ने कहा कि विभागीय पदोन्नति समितियाँ (डीपीसी) प्रक्रियाधीन हैं और समय आने पर पूरी कर ली जाएँगी। पुंछ और राजौरी जिलों से तबादले शुरू हुए थे लेकिन आपत्तियों के कारण इसे स्थगित रखा गया है।

मंत्री ने कहा कि भर्ती पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई

थी और पदों को भर्ती एजेंसियों को नहीं भेजा गया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने 1500 पदों पर रोक लगा दी थी। शिक्षा विभाग लगभग बंद होने की कगार पर था। मैं मुख्यमंत्री (उमर अब्दुल्ला) का शुक्रगुज़ार हूँ कि उन्होंने 50 प्रतिशत पदों पर रोक हटा दी। इट्टू ने भाजपा की ओर इशारा करते हुए कहा कि उन्हें हमें बताना चाहिए कि उन्होंने शिक्षा विभाग को कहाँ पहुँचा दिया है।

हम ऐसा विधेयक कैसे पारित कर सकते हैं जो भू-माफियाओं और अवैध अतिक्रमणकारियों की मदद करता हो : मुख्यमंत्री

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने मंगलवार को सरकारी और सामुदायिक भूमि पर अवैध रूप से बने घरों के मालिकाना हक को मान्यता देने संबंधी एक निजी विधेयक को खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इसका कड़ा विरोध करते हुए कहा कि इसके पारित होने से भूमि हड़पने के द्वार खुल जाएँगे। पीडीपी विधायक वाहिद पारा द्वारा पेश किए गए इस विधेयक का उद्देश्य संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा प्रदत्त आश्रय के अधिकार का हवाला देते हुए इन भूमियों पर बने घरों के वर्तमान में काबिज निवासियों को स्वामित्व या हस्तांतरण अधिकार प्रदान करना था। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में एक समारोह से बाद संवाददाताओं से कहा कि हम ऐसा विधेयक कैसे पारित कर सकते हैं जो भू-माफियाओं और अवैध अतिक्रमणकारियों की मदद करता हो? जिसमें यह नहीं कहा जा सकता कि वे जम्मू-कश्मीर के नागरिक हैं या उन्होंने हाल ही में यहाँ आकर घर बनाए हैं लेकिन हमें उन्हें ज़मीन देनी होगी। वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के विधायक द्वारा सरकारी ज़मीन पर घर बनाने वालों को मालिकाना हक प्रदान करने के लिए लाए

गए निजी विधेयक का अपनी सरकार द्वारा समर्थन न करने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। इससे पहले पारा से विधेयक वापस लेने को कहा गया था लेकिन पीडीपी नेता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री शेख अब्दुल्ला की ज़मीन जोतने की नीति और 2002 में फ़ारूक़ अब्दुल्ला के रोशनी अधिनियम का हवाला देने की कोशिश की। एक तीखी बहस में मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इसकी तुलना बेहद विवादास्पद और अंततः बंद हो चुकी रोशनी योजना से की।

केंद्र सरकार ने आठवां वेतन आयोग गठित किया, लाखों कर्मचारियों को बड़ी राहत

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर। केंद्र सरकार ने मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। सरकार के इस फैसले से लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। नए वेतन आयोग में एक चेयरपर्सन, एक पार्ट-टाइम सदस्य और एक सदस्य सचिव शामिल होंगे। आयोग को अपनी अंतिम रिपोर्ट 18 महीनों के भीतर सरकार के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। इस ऐतिहासिक निर्णय पर नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन (जम्मू शाखा) ने खुशी व्यक्त की है। यूनियन के अध्यक्ष कॉम. हरपाल सिंह ने बताया कि आठवें वेतन आयोग के गठन के लिए ऑल इंडिया रेलवमेंस फेडरेशन और नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन ने लंबे समय से संघर्ष किया और इसे अपने प्रमुख एजेंडों में शामिल किया था। उन्होंने बताया कि महामंत्री कॉम. शिवगोपाल मिश्रा ने इस मुद्दे पर सरकार पर लगातार दबाव बनाया। हरपाल सिंह ने कहा कि पिछले महीने 19 सितंबर को आयोग गठन में देरी के विरोध में एआइआरएफ से संबद्ध यूनियनों ने देशभर में प्रदर्शन किया था। नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन, फिरोजपुर/जम्मू मंडल के कर्मचारियों ने भी मंडल मंत्री कॉम. शिवदत्त शर्मा के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का यह फैसला मेहनतकश कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग की जीत है और इससे रेलवे सहित सभी केंद्रीय कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा।

सरकारी जमीन के अवैध कब्जों को मान्यता देने वाला निजी विधेयक जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने खारिज किया

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने घरों के मालिकाना अधिकारों को मान्यता देने संबंधी एक निजी विधेयक मंगलवार को खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इस तरह के विधेयक से जमीन हड़पने के रास्ते खुल जायेंगे।

यह विधेयक पुलवामा से पीडीपी विधायक वहीद पारा ने पेश किया था। विधेयक में कहा गया था कि राज्य की भूमि, कचरिया भूमि, सार्वजनिक भूमि और शमीलात भूमि (जम्मू-कश्मीर कृषि सुधार अधिनियम, 1976 की धारा 4) पर बने घरों के मालिकाना अधिकारों को मान्यता दी जानी चाहिए।इस विधेयक के जरिये केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के निवासियों के लिए विशेष प्रावधान किया जाना चाहिए, ताकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त आश्रय के अधिकार मिल सकें। इस विधेयक से सरकारी ज़मीन पर कब्ज़ा करने वाले आवासीय मकान मालिकों के पक्ष में स्वामित्व या हस्तांतरण के अधिकार सुरक्षित किए जायेंगे और उससे जुड़े या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए भी प्रावधान किए जायेंगे। सरकार ने विधेयक का विरोध करते हुए पीडीपी विधायक पारा से इसे वापस लेने का अनुरोध किया, लेकिन उनके वापस न लेने पर ख़ारिज कर दिया।

नगर निकायों में लगभग 49,000 आवारा कुत्तों की नसबंदी की गई

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू और कश्मीर में 2022 और 2025 के बीच कुत्तों के काटने के 2,12,968 मामले सामने आए हैं जो विभिन्न जिलों में आवारा कुत्तों के हमलों की लगातार चुनौती को दर्शाता है। , मौजूदा विधानसभा सत्र के दौरान सामने आए आंकड़ों से पता चलता है कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश में नसबंदी और टीकाकरण अभियान तेज़ कर दिए गए हैं।

जून 2023 से सितंबर 2025 तक कुल 48,998 आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया गया। इनमें से 27,237 कुत्ते श्रीनगर नगर निगम एसएमसी के अंतर्गत, 13,730 कुत्ते जम्मू नगर निगम जीएमसी के अंतर्गत, 7,870 शहरी स्थानीय निकाय जम्मू के अंतर्गत और 161 शहरी स्थानीय निकाय कश्मीर के अंतर्गत आते हैं। अधिकारियों ने कहा कि विभाग आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने और काटने की घटनाओं को कम करने के लिए नसबंदी और जागरूकता अभियान जारी रखे हुए

नई बसें जल्द आ रही है, तैनाती में सीमा जिलों को प्राथमिकता दी जाएगी: परिवहन मंत्री

परिवहन मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि नई बसें जल्द ही आ रही है और सरकार इन्हें जनता की आवश्यकताओं के अनुसार तैनात करेगी, जिसमें सीमा जिलों को प्राथमिता दी जाएगी। मंत्री ने यह बात विधान सभा में विधायक एजाज अहमद जान द्वारा एसआरटीसी बसों पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कही। उन्होंने बताया कि बसों की नई तैनाती के समय पूंछ और राजौरी जैसे सीमावर्ती जिलों को प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि जेकेआरटीसी जम्मू-पूंछ मार्ग और वापसी मार्ग पर हवेली क्षेत्र में नियमित बस सेवा संचालित कर रहा है, जो सीमा पार गोलाबारी के कारण एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गई थी, लेकिन तत्पश्चात पुनः बहाल कर दी गई। उन्होंने कहा कि 10.05.2025 को पूंछ हवेली विधानसभा क्षेत्र में प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए जेकेआरटीसी ने दो वाहन उपलब्ध कराए। इसके अतिरिक्त, प्रशासन के अनुरोध पर जेकेआरटीसी ने फंसे यात्रियों को उनके गृह जिलों में पहुँचाने के लिए बस सेवाएं भी संचालित कीं। मंत्री ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान जम्मू-कश्मीर के कई क्षेत्रों में 58 आरटीसी बसें तैनात की गईं, ताकि अन्य राज्यों से लौट रहे फंसे यात्रियों को सुगम परिवहन सुविधा मिले। उन्होंने बताया कि पूंछ में 2 बसें, मेंढर में 1, राजौरी में 3, जम्मू में 4, बिश्नाह में 5, अखनूर/खौड़ में 11, श्रीनगर में 2, डोडा में 14, किश्तवाड़ में 4, पाडर/नगसानी में 1 और भद्रवाह में 4 बसें चलाई गईं।

विधायकों ने सरकार के आश्वासन के बाद अपने विधेयक वापस लिए

श्रीनगर 28 अक्टूबर। कई विधायकों ने अपने निजी सदस्य विधेयकों को सरकार के इस आश्वासन के बाद वापस ले लिया कि उनकी चिंताओं और सुझावों पर विचार किया जाएगा और उन्हें भविष्य की सरकारी नीतियों में शामिल किया जाएगा। विधेयक वापस लेने वाले विधायकों में तनवीर सादिक, एम.वाई. तारिगामी, मीर सैफुल्लाह, निज़ामुद्दीन भट्ट, अल्ताफअहमद वानी और मुबारिक गुल शामिल हैं। विधायकों वहीद-उर-रहमान परा और बलवंत सिंह मनकोटिया ने अपने निजी सदस्य विधेयक पेश करने पर ज़ोर दिया, किंतु ध्वनि मत के बाद सदन ने अनुमति नहीं दी।

आधिकारिक उद्देश्यों के लिए हिंदी का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए गए लागू

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर सरकार के विभिन्न विभागों की आधिकारिक वेबसाइटों और इससे संबंधित पोर्टलों को हिंदी भाषा को बढ़ावा देने और समावेशिता एवं व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए त्रिभाषी बनाया जा रहा है, मंगलवार को विधानसभा को यह जानकारी दी गई।

उधमपुर पूर्व से भाजपा विधायक रणबीर सिंह पठानिया को जम्मू-कश्मीर राजभाषा अधिनियम, 2020 के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति के बारे में एक लिखित उत्तर में जो हिंदी को जम्मू-कश्मीर की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में मान्यता देता है, सरकार ने कहा कि आधिकारिक उद्देश्यों के लिए हिंदी के उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय लागू किए गए हैं।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि हिंदी में प्राप्त सभी आधिकारिक पत्राचार का उचित उत्तर दिया जाता है और द्विभाषी रूप - हिंदी और अंग्रेजी में जवाब दिया जाता है।

मंत्री ने कहा कि 2022 में जम्मू-कश्मीर के भीतर उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने के लिए गठित एक समिति की रिपोर्ट वित्त विभाग द्वारा मांगे गए कुछ स्पष्टीकरणों के कारण हिंदी, कश्मीरी, उर्दू, डोगरी और अंग्रेजी को आधिकारिक उद्देश्यों के लिए अधिसूचित करने का प्रस्ताव भी स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया गया है जो विचाराधीन है।

सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए या उठाए जा रहे कदमों के बारे में पूछे गए एक प्रश्न पर सरकार ने कहा कि हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रशासनिक विभागों और अन्य सरकारी कार्यालयों में मौजूदा भाषा प्रकोष्ठों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार किया जा रहा है ताकि उनकी कार्यक्षमता, स्टाफिंग और भाषाई प्रथाओं का आकलन किया जा सके ताकि आधिकारिक कामकाज के लिए भाषा को और मजबूत बनाने के लिए एक आधारभूत आधार सुनिश्चित किया जा सके।सभी सरकारी कार्यालयों में संचालित ई-ऑफिस प्रणाली मानक टेम्प्लेट और पत्राचार मॉड्यूल के लिए हिंदी में तैयार संदर्भ लिखने के लिए एक अंतर्निहित सॉफ़्टवेयर भी प्रदान करती है जिससे आधिकारिक संचार में हिंदी को धीरे-धीरे अपनाने में मदद मिलेगी।जम्मू-कश्मीर सरकार ने कहा कि उसके विभागों की आधिकारिक वेबसाइटों और अन्य संबंधित पोर्टलों को त्रिभाषी बनाया जा रहा है जिससे उपयोगकर्ताओं को हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में सामग्री देखने का विकल्प मिलेगा जिससे समावेशिता और व्यापक पहुँच सुनिश्चित होगी।

इसमें यह भी कहा गया है कि दैनिक आधिकारिक पत्राचार में हिंदी सहित आधिकारिक भाषाओं के व्यावहारिक उपयोग को बढ़ाने के लिए अन्य विभागों और विश्वविद्यालयों आदि के सहयोग से, जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी द्वारा प्रशिक्षण मॉड्यूल तलाशने और तैयार करने तथा संवेदीकरण कार्यशालाओं का आयोजन करने के प्रयास चल रहे हैं।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी सार्वजनिक पुस्तकालयों में हिंदी सहित आधिकारिक भाषाओं के समर्पित अनुभागों की क्रमिक स्थापना भी की जा रही है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कि क्या जम्मू-कश्मीर में भर्ती नियमों में अब सरकारी सेवाओं में नियुक्ति के लिए अंग्रेजी और उर्दू के साथ-साथ हिंदी में दक्षता अनिवार्य है, उत्तर में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर राजभाषा अधिनियम, 2020 के प्रावधानों को उस सेवा की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार शामिल किया जाएगा जिसमें नियुक्ति की जानी है।

एचएएल एवं रूस की यूएसी में हुआ समझौता, भारत में बनेगा एसजे-100 यात्री विमान

नई दिल्ली 28 अक्टूबर। नागरिक उड्डयन क्षेत्र में भी भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठा रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और रूस की पब्लिक ज्वाइंट स्टॉक कंपनी यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन ने एसजे-100 नागरिक विमान के उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। दोनों कंपनियों ने इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। गौरतलब है कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी विमानन कंपनी है। एचएएल भारतीय वायुसेना के लिए आधुनिक लड़ाकू विमानों का निर्माण भी कर रही है। एचएएल के मुताबिक यह समझौता 27 अक्टूबर को रूस की राजधानी मॉस्को में किया गया। यहां एचएएल के प्रभात रंजन और यूएसी रूस के ओलेग बोगोमोलोव ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एचएएल के सीएमडी डॉ. डीके. सुनील और यूएसी के डायरेक्टर जनरल भी उपस्थित थे। माना जा रहा है एसजे-100, भारत के लिए गेम-चेंजर विमान साबित हो सकता है। दरअसल एसजे-100 एक ट्विन-इंजन, नैरो-बॉडी कम्यूटर एयरक्राफ्ट

है। इसका उपयोग क्षेत्रीय और शॉर्ट-हॉल यात्राओं के लिए किया जाता है। अब तक दुनियाभर में 200 से अधिक विमान निर्मित किए जा चुके हैं और इन्हें 16 से अधिक वाणिज्यिक एयरलाइंस द्वारा संचालित किया जा रहा है। यह विमान भारत की उड़ान योजना के तहत क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने में गेम चेंजर साबित होगा। समझौते के तहत, एचएएल को भारत में घरेलू ग्राहकों के लिए एसजे-100 विमान का निर्माण करने का विशेष अधिकार मिलेगा। इसके साथ ही भारतीय विमानन इतिहास में यह एक नया अध्याय जुड़ रहा है।

डैंड्रफ से हैं परेशान तो अपनाएं ये असरदार नुस्खें!

कुछ लोगों को डैंडर्फ की समस्या बहुत ज्यादा होती हैं। इससे शर्मिंगी तो महसूस होती ही हैं, साथ ही बालों को भी काफी नुकसान पहुंचता है। अगर यह एक बार आ जाए, तो इससे पीछा छुड़ाना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप कई एंटी डैंडर्फ हेयर प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती होंगी, लेकिन उनमें से कई इतने असरदार नहीं होते हैं या रुसी निकालते तो हैं लेकिन बालों को नुकसान भी पहुंचाते हैं। अगर आप नेचुरल तरीके से रूसी से निजात चाहती हैं, तो ये घरेलू नुस्खे जरूर आजमाएं।

1. नींबू का रस

नीम्बू को सरसों के तेल में मिलाकर अपने बालो की जड़ों पर लगाएं, फिर अपने बाले की अच्छे से 15 मिनट तक मालिश करें। अपने बालों को अच्छे से धोकर कंडीशनर कर लें।

2.टी-ट्री ऑइल

टी-ट्री ऑयल में एंटीसेप्टिक, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल के गुण मौजूद होते हैं जो रूसी को खत्म करने के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। इस ऑयल की कुछ बूंदों को अपने शैम्पू मे मिक्स कर लें और फिर अपने बालें के धो लें।

3. एस्पिरिन वैसे तो एस्पिरिन का इस्तेमाल बीमारी में किया जाता है लेकिन इसका ड्रेंफ को मिटाने के लिए भी प्रयोर किया जाता हैं।अपने शैम्पू की बोटल में एस्पिरिन की तीन गोलियां मिलाकर इसको अच्छे से मिक्ल कर लें और रोजाना इसका इस्तेमाल करने से आपकी रुसी झट से गायब हो जाएंगी।

4.जादुई पानी

रुसी को मिटाने के लिए पानी में कुछ नीम और तुलसी की पत्तियों को उबाल लें फिर पाती को कर लें। इस पानी से अपनो छान कर ठंडा बालो को धोएं।

5 .

रूसी रोधक मास्क

नीबू की तरह दही भी बालो के लिए फायदेमंद होता हैं। इसका मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में दही और 2 टीस्पून बरेकिंग सोडा पाउडर डालें फिर बालों की जड़ो पर अच्छे से लगाएं।

6. मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी में 3 चम्मच सेब का सिरका मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें फिर अपने बालें को धोने के बाद 10 मिनट तक बालों पर लगाकर रखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें।इससे रुसी जड़ों से निकल जाएंगी।कुदरती तौर पर बालों को काला करने के लिए देसी घी से सिर की मालिश करें। इसे त्वचा को पोषण मिलता है और बालों के सफेद होने की समस्या भी दूर हो जाती हैं।

जायफल स्क्रब से करें ब्लैकहेड्स दूर !

हर लड़की सुंदर दिखना चाहती हैं। उनकी सुंदरता में ब?लैकहेड्स जैसी समस्याएं बाधा डालती हैं। ब?लैकहेड्स की समस्यां अक्सर आयली स्किन पर ज्यादा देखने को मिलती हैं।ब?लैकहेड्स त्वचा पर धूल-मिट्टी, स्ट्रेस और नींद पूरी न होने के कारण होती हैं। ब?लैकहेड्स निकालने के लिए बाजार में कई तरह के ब?यूटी प्रोडक?ट्स मिलते हैं लेकिन इन प्रोडक?ट्स में केमिकल होने से इसका त्वचा पर बुरा प्रभाव पड़ता हैं।इसलिए आप कुछ घरेलू तरीके अपना कर ब?लैकहेड्स की समस्यां से छुटकारा पा सकते हैं।

आप जायफल स्क्रब के इस्तेमाल से ब?लैकहेड्स निकाल सकते हैं। अक्सर हर किचन में जायफल का इस्तेमाल खाने का स्वाद बढाने के लिए किया जाता हैं। जायफल एंटीबैक्टीरियल होने के कारण त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है। यह फेस से गंदगी और मुहासों को हटाने के लिए कारगर साबित होता हैं। हम आपको जायफल से ब?लैकहेड्स को हटाने के उपाय बता रहें हैं।

-2 चम्मच जायफल पाउडर और दूध को बराबर मात्रा में मिलाकर अच्छे से पेस्ट तैयार कर लें।

- फिर इसके बाद चेहरे को पानी से धोकर इस पेस्ट को लगा लें।

- ब्लैकहेड्स वाली जगह पर जायफल पेस्ट को अच्छे से लगाएं ताकि इसमे मौजूद एंटीबैक्टीरिया आपकी त्वचा के अंदर जाकर ब्लैकहेड्स को निकाल दें। - फेस पैक को 15 मिनट लगाकर रखने के बाद अपने चेहरे पर 5 मिनट के लिए जायफल का स्क्रब करें।

- फिर अपनी त्वचा को धोकर उंगलियों के साथ हल्के हाथो से थपथपाएं। इससे आपके चेहरे से गंदगी निकल जाती हैं।

- ऑयली स्किन वाले को शहद का और ड्राई स्किन पर फुल फैट मिल्क का इस्तेमाल इस पेस्ट मे करना चाहिए।

घरेलू उपायों से पाएं डार्क सर्कल से छुटकारा

आंखों के नीचे काले घेरे पड़ना, आम सी बात हो गई है लेकिन कहीं न कहीं, यह आपकी खूबसूरती पर बुरा इफैक्ट डालते हैं। आंखों के काले घेरों के आगे आपका फेयर कंप्लैक्शन भी फीका पड़ जाता है। इन्हें छिपाने के लिए आप मेकअप का सहारा ले सकते हैं लेकिन मेकअप इन्हें कुछ ही समय के लिए छिपा सकता है। इन्हें पूरी तरह से हटाने के लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करने होंगे। स्वस्थ व पौष्टिक भोजन, व्यायाम तथा अच्छी नींद इसके लिए सबसे अच्छा तरीका हैं। -टमाटर, नींबू और बेसन टमाटर और नींबू के रस में चुटकीभर बेसन और हल्दी डालकर पेस्ट बनाएं और 20 मिनट काले घेरों पर लगाकर पानी से धो लें। हफ्ते में ऐसा 3 बार करें। - गुलाब जल

गुलाब जल को रूई में भिगोकर आंखों पर 10 मिनट लगाए रखें। इससे आंखें तरो-ताजी और डार्क सर्कल कम होंगे। ऐसा दिन में एक बार रोज करें। -आलू

आलू की पतली स्लाइस काटकर उन्हें आंखों पर 20 से 25 मिनट रखें। इसके बाद चेहरा को अच्छे से साफ कर लें। डार्क सर्कल हटाने का यह सबसे बेस्ट तरीका है।

-बादाम का तेल

बादाम के तेल को आंखों के आस-पास लगाकर कुछ मिनटों के लिए छोड़ दें। फिर उंगलियों से 10 मिनट तक हल्की मालिश करें। बादाम में आप शहद भी मिक्स कर सकते हैं।

-चाय का पानी

चायपत्ती को पानी के साथ उबाल लें और फिर ठंडा होने के लिए रख दें। रुई में भिगोकर चाय पानी आंखों के नीचे और आस-पास लगाएं। नियमित रूप से ऐसा करने से चेहरे के काले घेरे तेजी से कम हो जाएंगे।

-टी बैग

डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए टी-बैग्स का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। टी-बैग्स में मौजूद तत्व टैनिन आंखों के आस-पास की सूजन और काली त्वचा खत्म कर देता है। ग्रीन टी बैग आंखों पर रखने से भी डार्क सर्कल की प्रॉब्लम दूर होती है।

-संतरे का रस और ग्लिसरीन

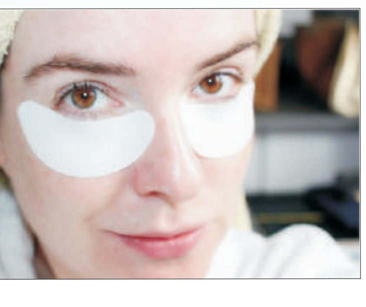

संतरे के रस में ग्लिसरीन की कुछ बूंदें मिलाएं और इस पेस्ट को हर रोज आंखों और आस पास के एरिया पर लगाएं। यह काले घेरे मिटाने का असरदार तरीका है।

-जैतून तेल

जैतून का तेल से आंखों के आस-पास हल्के हाथों से मसाज करें, इससे रक्त संचार ठीक रहता है। और आंखों की थकान कम होती है, जिससे डार्क सर्कल की समस्या दूर होती है।

-अनानास और हल्दी

अनानास के जूस में हल्दी मिलाकर आंखों के नीचे लगाएं इससे भी डार्क सर्कल कम होंगे। *याद रखें ये बातें - खीरे और आलू के टुकड़ों को आंखों पर रखें। इससे आंखों को ठंडक और ताजगी मिलेगी। - धूप में सनग्लासेज का इस्तेमाल भी डार्क सर्कल से बचाता है। - विटामिन-के और ई से भरपूर सब्जियां और फल खाएं और फ्रैश जूस पीएं।

- कम से कम 8 घंटें की नींद लें।
- रात को सोते समय धूम्रपान या हार्ड ड्रिंक्स से परहेज करें।
- आई मेकअप प्रोडक्ट्स अच्छी कंपनी का खरीदें।
- आंखों पर कोई भी क्रीम ज्यादा देर तक न लगाई रखें।

-कम से कम 8-10 गिलास पानी पीएं।

मेकअप की ये 7 चीजें बिलकुल न करें फ्रेंड्स से शेयर

अक्सर लोग खाने से लेकर ब्यूटी प्रॉडक्ट्स तक का सामान एक दूसरे से शेयर करते हैं। खाना शेयर करना अच्छी बात है लेकिन हर चीज शेयर करना नहीं। ब्यूटी प्रॉडक्ट्स शेयर करने से आपकी त्वचा पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। आज हम आपको बताते हैं कि मेकअप प्रॉडक्ट्स शेयर करने के क्या नुकसान हैं।

1.लोशन के जार

अपने लोशन के जार को हाथ लगाने से या फिर किसी और व्यक्ति के हाथ लगने से लोशन जार मे बैक्टीरिया पहुंच जाते है,जिससे आपको त्वचा संबंधी कई समस्याएं हो सकती है।

2.लिप ग्लॉस

जरूरत पड़ने पर आप अपनी सहेली की लिप ग्लॉस इस्तेमाल कर लेती है, जिसका असर आपके होंठो पर पड़ता है। इससे होठो पर इंफैक्शन होने का डर बना रहता है।

3.मस्कारा

किसी से मस्कारा शेयर करने को न दें क्योंकि आखों कि पलकों पर बैक्टीरिया होने से वह मस्कारे के ब्रश मे चल जाते हैजो किसी ओर के इस्तेमाल करने आखों में इंफैक्शन,दर्द और सूजन जैसी परेशानी दे सकते हैं।

4.मेकअप स्पंज

मेकअप स्पंज से त्वचा पर फंगल इंफैक्शन, मुंहासे और त्वचा संबंधी अन्य समस्याएं हो जाती है।

5.ट्वीजर

किसी का ट्वीजर शेयर नहीं करना चाहिए।जब आप अपनी आइब्रो के कुछ बाल निकालते है तो उस से खून भी बालों के साथ निकलता है। फिर किसी के इस्तेमाल सें बैक्टीरिया उनकी आईब्रो मे प्रवेश कर जाते है, जिससे इंफैक्शन का खतरा बन जाता हैं।

6.हेयर ब्रश

अक्सर आपकी मम्मी आपको शुरू से ही किसी का हेयर ब्रश इस्तेमाल करने से रोकती है। हेयर ब्रश शेयर करने से डेंड्रफ हो जाती है। इसी के साथ इंफैक्शन और जूएं होने का डर बना रहता है।

7.सॉप बार

अगर कोई सक्रमित व्यक्ति तो उसके सोप इस्तेमाल से संक्रमन आपके शरीर मे प्रवेश कर जाते हैं, जिसका आपकी त्वचा पर सीधा असर पड़ता हैं। इसी प्रकार वॉशक्लोथ या लोफा के शेयर से भी त्वचा संबंधी समस्याएं हो जाती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

चार दिवसीय छठ महापर्व उगते सूर्य अर्घ्य के साथ हुआ संपन्न

कठुआ, 28 अक्टूबर (हि.स.)। चार दिवसीय छठ का महापर्व कठुआ में धूमधाम से मनाया गया, जोकि मंगलवार को उगते सूर्य अर्घ्य के साथ संपन्न हो गया। जिला कठुआ में बाहरी राज्य से आऐ लोगों के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने भी इस पर्व में भाग लिया।

कठुआ में मंगलवार की सुबह सब्जीमंडी के पास नहर पर बने घाट पर हजारों व्रती महिलाओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके साथ ही चार दिवसीय आस्था का महापर्व संपन्न हो गया। इस अवसर पर महिलाओं ने परिवार की सुख समृद्धि के लिए छठी मइया से कामना की। सीटीएम प्रबंधन की ओर से कार्यकारी अध्यक्ष यू के पटनायक, उपाध्यक्ष मनोज कुमार झा, उपाध्यक्ष आर के बंसल ने चार दिवसीय महापर्व छठ के शांति पूर्वक समापन पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सीटीएम के स्वयंसेवकों, और स्थानीय लोगों को इस पर्व में भरपूर सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं रेलवे रोड़ स्थित खजूरिया मार्केट के सदस्यों ने 36 घंटे से लगातार व्रत रखने वाले व्रती महिलाओं के लिए न्यूट्री ब्रेड, चाय बिस्कुट आदि का लंगर लगाकर उनके व्रत खुलवाकर पुण्य प्राप्त किया।

कठुआ में भी पूर्वोत्तर के सबसे बड़े पर्व छठ पूजा के मौके पर लोगों में उत्साह का माहौल रहा।

गौरतलब हो कि सोमवार को शाम को सूर्यअस्त को अर्घ्य देने के बाद लोगों ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। इससे पहले रविवार की शाम को खरना के बाद निर्जला व्रत शुरू हुआ था। पर्व में शामिल नंद लाल खजुरिया, राजेंद्र कुमार, अशोक कुमार, सरदारी सिंह, महेश कुमार, राहुल, विवके, रामछब्बीला, रवी कुमार, अमित चैरसिया, अखलेश कुमार, ब्रिजू, हरी शंकर, मनोज कुमार, मोनू, सैलंद्र आदि ने बताया कि छठी मइया की पूजा का व्रत 36 घंटे निर्जला रखा जाता है जो काफी कठिन माना जाता है। उन्होंने बताया कि छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण व्रत के दौरान पवित्रता और भगवान सूर्य को अर्घ्य देना है। इस पूरे व्रत में दो बार अर्घ्य दिया जाता है। पहला अर्घ्य षष्ठी तिथि के दिन सूर्यअस्त को दिया जाता है। दूसरा अर्घ्य उदय होने वाले भगवान भास्कर को दिया जाता है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाद-विवाद प्रतियोगिता

कठुआ, 28 अक्टूबर (हि.स.)। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के नेतृत्व में हीरानगर, राजबाग और लखनपुर क्षेत्र में वाद-विवाद प्रतियोगिता और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सबसे पहले राजकीय डिग्री कॉलेज हीरानगर में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती की पूर्व संध्या पर थाना हीरानगर द्वारा एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में एसडीपीओ बॉर्डर कठुआ धीरज कटोच जेकेपीएस, प्रिंसिपल डिग्री कॉलेज हीरानगर, एसएचओ थाना हीरानगर आशीष शर्मा और सरकारी कर्मचारी और डिग्री कॉलेज और हायर सेकेंडरी स्कूल दोनों के छात्रों ने संयुक्त रूप से भाग लिया, जिसमें 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

इसी प्रकार भारतीय शिक्षा में सरदार पटेल की विरासत विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन एसडीपीओ सीमांत धीरज सिंह कटोच और एसएचओ थाना राजबाग अजय सिंह चिब द्वारा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छत्री में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान और शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण को उजागर करना था। एसडीपीओ सीमा ने छात्रों को संबोधित करते हुए भारत के एकीकरण में सरदार पटेल की भूमिका और शिक्षा को राष्ट्रीय शक्ति और चरित्र का आधार मानने के उनके विश्वास पर जोर दिया। अध्यक्षता करने वाले सदस्यों ने पटेल के अनुशासन, एकता और सेवा के आदर्शों के बारे में बात की और छात्रों को अपनी शैक्षिक यात्रा में उनके सिद्धांतों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों ने सरदार पटेल के जीवन और योगदान पर भाषण और निबंध लिखकर भी भाग लिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कुल मिलाकर, इस कार्यक्रम ने छात्रों को सरदार पटेल के सपनों के अनुसार शिक्षा और देशभक्ति को महत्व देने के लिए प्रेरित किया।

हेरोइन के साथ दो नशा तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 28 अक्टूबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा-आईपीएस' के समग्र पर्यवेक्षण में कठुआ पुलिस ने थाना हीरानगर के दियालाचक क्षेत्र में 7.67 ग्राम हेरोइन के साथ दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके वाहन को जब्त कर लिया है। जनकारी के अनुसार थाना हीरानगर की एक पुलिस टीम ने संदिग्ध आवाजाही और अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए दियालाचक क्षेत्र के लिंक रोड तरनाह के पास एक नियमित नाका लगाया। नाका ड्यूटी के दौरान पुलिस दल ने मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान उनके कब्जे से 7.67 ग्राम हेरोइन चिट्टा जैसा पदार्थ बरामद किया गया। जिसके बाद नशीले पदार्थ के साथ दोनों को हिरासत में ले लिया गया। युवकों की पहचान मनीष सिंह पुत्र कमल सिंह, सबदीप सिंह पुत्र शंकर सिंह, दोनों निवासी करयारा तहसील हीरानगर के रूप में हुई है। तदनुसार थाना हीरानगर में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/22/29 के तहत एफआईआर 149/2025 दर्ज की गई जबकि आगे की जांच जारी है।

डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा तोड़फोड़ पर फ्रेंड्स वेलफेयर सोसाइटी का आक्रोश, दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग

जम्मू, 28 अक्टूबर (हि.स.)। फ्रें ड्स वेलफेयर सोसाइटी ने मंगलवार को यहाँ आयोजित एक बैठक में कठुआ जिले के बनी क्षेत्र में स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा के साथ हुई तोड़फोड़ की घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। बैठक की अध्यक्षता सोसाइटी के अध्यक्ष तिलक राज बासा ने की। बैठक में सदस्यों ने इस घटना को सामाजिक सौहार्द और संविधानिक मूल्यों पर हमला बताया। सोसाइटी ने एक कड़े बयान में जिला प्रशासन से मांग की कि वह इस प्रकरण का तत्काल संज्ञान ले और दोषियों के खिलाफ त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। सोसाइटी के वरिष्ठ सदस्य आर.एल. कैथ ने कहा कि सामाजिक न्याय और समानता के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान पूरे देश के लिए अत्यंत दुखद और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि यह कार्य भारतीय संविधान की 'प्रस्तावना' और अनुच्छेद 14 में निहित समानता और गरिमा के मूल्यों का सीधा अपमान है। सोसाइटी ने प्रशासन से यह भी आग्रह किया कि क्षतिग्रस्त प्रतिमा की शीघ्र मरम्मत कराई जाए और उस स्थल पर सुरक्षा के उचित प्रबंध किए जाएं

जुए के आरोप में नौ गिरफ्तार

उधमपुर, 28 अक्टूबर (हि.स.)। झज्जर कोटली में जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने 4.04 लाख नकद और चार वाहन जब्त किए। अवैध जुए पर बड़ी कार्रवाई करते हुए झज्जर कोटली पुलिस ने कल देर रात नियमित गश्त के दौरान नौ लोगों को गिरफ्तार किया, जो ताश और पासे के साथ जुआ गतिविधियों में लिप्त पाए गए थे। छापेमारी के दौरान जुआ स्थल से ताश और पासे के साथ-साथ दांव की रकम (तिगड़ी) की राशि 1,07,180 बरामद की गई। आरोपियों की व्यक्तिगत तलाशी लेने पर पुलिस ने अतिरिक्त 2,97,300 नकद भी बरामद किया, जिससे कुल जब्ती 4,04,480 हो गई। नकदी के अलावा ।पुलिस ने चार वाहन भी जब्त किए जो घटनास्थल पर खड़े थे और आरोपी व्यक्तियों के थे। वाहनों में शामिल हैं, वोक्सवैगन पोलो (पंजीकरण संख्या एच आर26बीजे4544), हुंडई क्रेटा (पंजीकरण संख्या जेके 02डी जे0025), महिंद्रा एक्सयूवी (पंजीकरण संख्या जेके20 6566) और ऑडी ए4 (पंजीकरण संख्या जेके02सीजे 0063)। इन सभी पर जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एसएमवीडीयू में कैंपस से कॉर्पोरेट तक कार्यशाला का शुभारंभ

जम्मू, 28 अक्टूबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल तथा स्कूल ऑफ बिजनेस) ने संयुक्त रूप से कैंपस से कॉर्पोरेट तक- भविष्य के प्रबंधकों को तैयार करना शीर्षक से एक कार्यशाला का शुभारंभ किया।

यह कार्यशाला पीएम-यूएसएचए योजना के तहत आयोजित की जा रही है, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। कार्यशाला के उद्घाटन दिवस में दो मुख्य इंटरैक्टिव सत्र प्रभावशाली संचार और पहली छाप बनाने की कला आयोजित किए गए। इन सत्रों का संचालन एन्हांसिटी की संस्थापक और प्रमाणित सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनर शिखा बिंद्रा ने किया। उन्होंने छात्रों को संचार के एबीसी (एक्युरेसी, ब्रीविटी और क्लैरिटी), बॉडी लैंग्वेज के महत्व और व्यक्तित्व निर्माण में परिधान की भूमिका पर विस्तार से बताया।

स्कूल ऑफ बिजनेस की प्रमुख और कार्यशाला की संयोजक डॉ. आरती मैनी ने कहा कि इस तरह की पहल छात्रों को उद्योग की समकालीन अपेक्षाओं से जोड़ने और उन्हें बेहतर रूप से तैयार करने में मदद करती है। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. राशि तगर ने ज्ञानवर्धक सत्रों के लिए शिखा बिंद्रा का आभार जताते हुए माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रगति कुमार को निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया। भाग लेने वाले छात्रों ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि इस कार्यशाला ने उन्हें आत्मविश्वास से भर दिया है और वे अब कॉर्पोरेट दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिक तैयार महसूस कर रहे हैं।

श्रीनगर में जल निकायों के आसपास रहने वाले लोगों का उठाया मुद्दा

श्रीनगर, 28 अक्टूबर (हि.स.)। ज़ादीबल के विधायक तनवीर सादिक ने मंगलवार को श्रीनगर में जल निकायों के आसपास रहने वाले लोगों का मुद्दा उठाया और मांग की कि वंचित निवासियों के पर्यावरण-अनुकूल ढाँचों को अस्तित्व में रहने दिया जाए।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के शरदकालीन सत्र के दूसरे दिन बोलते हुए उन्होंने इन जल निकायों के पास रहने वाले श्रीनगर निवासियों की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 10 वर्षों से अमीर और संपन्न लोगों को जल निकायों के पास होटल और अन्य ढाँचे बनाने की अनुमति दी गई है लेकिन गरीबों की झोपड़ियाँ तोड़ दी जाती हैं। उन्होंने इसे गरीब-विरोधी नीतियों का नाम दिया। खुशालसर, गिलसर और अंचार जैसे जलाशयों के आसपास झुग्गियों में रहने वाले गरीब परिवार रहते हैं। अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान इन झुग्गियों को हटा दिया जाता है;

निक्की तवी और बजालता में नालों पर अतिक्रमण से बाढ़ का खतरा

जम्मू, 28 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू पूर्व के विधायक युद्धवीर सेठी ने मंगलवार को विधानसभा में निक्की तवी और बजालता इलाकों में नालों पर हो रहे लगातार अतिक्रमण को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन जलमार्गों पर अवैध निर्माण जारी रहा, तो क्षेत्र में फिर से भीषण बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। सेठी ने कहा कि पिछले वर्ष आई बाढ़ ने इन क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई थी, जिसमें लगभग 70 घर बह गए थे। उन्होंने बताया कि इन घरों का निर्माण नालों की भूमि पर अवैध रूप से किया गया था। तबाही के बावजूद, उन्हीं लोगों ने अब फिर से नालों के भीतर घर बनाना शुरू कर दिया है।

विधायक ने प्रशासन से आग्रह किया कि वह तत्काल निवारक कदम उठाए और किसी भी अतिक्रमणकारी को नालों के अंदर निर्माण की अनुमति न दी जाए। उन्होंने कहा अगर यही स्थिति बनी रही, तो अगली बाढ़ में फिर से जान-माल का भारी नुकसान हो सकता है। सेठी ने सरकार से निगरानी और प्रवर्तन तंत्र को सुदृढ़ करने, अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई करने और अतिक्रमण रोकने के लिए ठोस नीति अपनाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि अभी उठाए गए निवारक कदम भविष्य में जम्मू पूर्व के लोगों को विनाशकारी आपदाओं से बचा सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर में नशा मुक्ति केंद्र कार्यरत : सकीना इत्तू

श्रीनगर, 28 अक्टूबर। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी नशामुक्ति केंद्र पूर्ण रूप से कार्यरत हैं और सभी केंद्रों में पीड़ितों के किफायती पुनर्वास के लिए शुल्क विनियमन के निर्देश जारी किए गए हैं।

मंत्री ने यह जानकारी विधान सभा में विधायक सुरजीत सिंह सलाथिया द्वारा नशे की लत पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग, विधि प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर समाज में नशे के दुष्प्रभाव से निपटने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों को अपने परिसरों में और उसके आसपास सीसीटीवी लगाने के कड़े निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी भी अनियमित गतिविधि पर निगरानी रखी जा सके।

मंत्री ने जम्मू-कश्मीर भर में इस गंभीर स्थिति से निपटने में स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका की भी सराहना की और कहा कि इस सामाजिक बुराई से लड़ने में उनका सहयोग आवश्यक है।

प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि जिला अस्पताल सांबा में नशामुक्ति केंद्र की स्थापना के बाद से अब तक 166 नशे के मामलों की रिपोर्ट दर्ज की गई है, जिनमें 114 शराबी और 62 हेरोइन व गांजा प्रभावित व्यक्ति शामिल हैं, जबकि 6 मरीज अब तक ठीक हो चुके हैं। उन्होंने जोड़ा कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विशेष रूप से सांबा जिले में इस बुराई को रोकने के लिए ठोस कदम उठा रही है, जैसे जागरूकता व्याख्यान और शिक्षण गतिविधियाँ, नशामुक्ति केंद्र की स्थापना, शैक्षणिक संस्थानों और समुदायों में संपर्क कार्यक्रम, पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान, घर-घर सर्वेक्षण व पहचान कार्यवाहियाँ, और हॉटस्पॉट क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का नेतृत्व मनोचिकित्सक और परामर्शदाता करते हैं ताकि निवारक शिक्षा और प्रारंभिक उपचार सहायता प्रदान की जा सके।

मंत्री ने यह भी बताया कि फरवरी 2024 से जिला अस्पताल सांबा में एनडीडीटीसी (एम्स नई दिल्ली) द्वारा प्रायोजित, एमओएसआईई के तहत नशा-उपचार सुविधा पूरी तरह स्थापित की गई है, जो वर्तमान में ओपीडी आधार पर कार्य कर रही है, जिसमें मनोचिकित्सक द्वारा ओपीडी, परामर्श सेवाएं और पदार्थ प्रतिस्थापन थेरेपी जैसी सेवाएं शामिल हैं।

विषय पर जानकारी देते हुए, अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने मंत्री को सुझाव दिया कि वे एक राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों द्वारा तैयार किए गए वैज्ञानिक दस्तावेज़ से सुझाव लें, जिसमें इस सामाजिक बुराई से निपटने के प्रभावी और विस्तृत उपायों का विवरण दिया गया है।

'सरकार गुलमर्ग मॉडल पर सोनमर्ग में शीतकालीन खेल और उत्सव शुरू करने की योजना बना रही है'

श्रीनगर, 27 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग की तरह सोनमर्ग में भी शीतकालीन खेल और उत्सव शुरू करने पर काम कर रही है। प्रभारी मंत्री मियां मेहर अली के एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि सोनमर्ग में शीतकालीन पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की गई हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग ने गुलमर्ग के सफल पर्यटन मॉडल से प्रेरणा लेते हुए सोनमर्ग में शीतकालीन खेलों और उत्सवों को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं जिसका उद्देश्य कश्मीर के शीतकालीन पर्यटन क्षेत्र में विविधता लाना और उसका विस्तार करना हैं।

पुलिस झंडा दिवस सप्ताह 2025 कुलगाम पुलिस ने शहीद पुलिस कर्मियों के परिवारों से की मुलाकात

28 अक्टूबर (हि.स.)। चल रहे पुलिस झंडा दिवस सप्ताह समारोह के हिस्से के रूप में कुलगाम पुलिस ने एसएसपी कुलगाम अनायत अली चौधरी-आईपीएस के निर्देश पर जिले भर में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। कुलगाम के पुलिस अधिकारियों ने उनके परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करने और उनके सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि देने के लिए कुलगाम में शहीद पुलिस कर्मियों के गांवों और कस्बों का दौरा किया। इन दौरों के दौरान अधिकारियों ने शहीदों के परिवारों से बातचीत की उनकी चिंताओं को धैर्यपूर्वक सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी वास्तविक शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित किया जाएगा। सम्मान और स्मृति के प्रतीक के रूप में कुलगाम के शहीदों के चित्र उनके संबंधित प्राथमिक विद्यालयों में प्रदर्शित किए गए थे, वही संस्थान जहां उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग छोटे वाहनों के लिए दोनों तरफ से बहाल

जम्मू, 28 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बहाल है। छोटे वाहनों के लिए राजमार्ग दोनों तरफ ही खोला गया है जबकि भारी वाहनों को केवल एकतरफ से ही जाने की अनुमती दी गई है। जानकारी के अनुसार आज छोटे वाहनों को श्रीनगर से जम्मू और जम्मू से श्रीनगर दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है। हालांकि बड़े वाहनों को जम्मू से श्रीनगर की ओर रवाना किया जा रहा है।

बाबा भैड देवस्थान ट्रस्ट ने बाढ़ से हुए नुकसान पर जताई चिंता, कार्तिक पूर्णिमा मेले से पहले पुलों की मरम्मत की मांग

जम्मू, 28 अक्टूबर (हि.स.)। बाबा भैड देवस्थान ट्रस्ट (पंजीकृत) की एक आपात बैठक यहां आयोजित की गई, जिसमें ट्रस्ट के सदस्यों ने दो महीने पहले आई बाढ़ से मंदिर के बुनियादी ढांचे को हुए भारी नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की। बैठक में बताया गया कि नगरोटा तहसील के कटल बटल क्षेत्र में तवी नदी पर बना स्टील का पैदल पुल बाढ़ में बह गया, जिससे श्रद्धालुओं की मंदिर तक पहुंच पूरी तरह बाधित हो गई है। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट निर्माण समिति के अध्यक्ष बी.एस. जम्वाल (सेवानिवृत्त डीसी) ने की। महासचिव रितेज खजूरिया और अन्य ट्रस्ट प्रतिनिधियों ने प्रशासन पर उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से मंदिर के बुनियादी ढांचे के उन्नयन की मांगें बार-बार उठाई गईं, लेकिन उन्हें नजरअंदाज किया गया, जिससे मंदिर हालिया आपदा में अत्यधिक नुकसान का शिकार हुआ। ट्रस्ट ने एनएमसी अध्यक्ष सुभाष शास्त्री, ट्रस्ट सलाहकार एडवोकेट पी.सी. शर्मा और अन्य सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर उपराज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर यूटी प्रशासन से अपील की कि 5 नवंबर 2025 से शुरू हो रहे कार्तिक पूर्णिमा के तीन दिवसीय मेले से पहले ऐथेम गांव से बाबा भैर देवस्थान तक के क्षतिग्रस्त छोटे पुलों (पुलियों) की मरम्मत तत्काल की जाए, ताकि भक्तों को असुविधा न हो। ट्रस्ट ने यह भी आरोप लगाया कि ऐथेम गांव से भैर देवस्थान तक सड़क निर्माण की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार होने के बावजूद कुछ निहित स्वार्थों ने इस परियोजना को रोकने का प्रयास किया। बैठक में प्रशासन से नुकसान का मुआवजा देने और त्योहारी सीजन से पहले सभी सुविधाओं की बहाली सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। इस अवसर पर ओम प्रकाश शर्मा, सुभाष शर्मा, पूर्व सरपंच कृपाल सिंह, एडवोकेट अंचित शर्मा, पवन शर्मा (रिंकू), जोगिंदर सिंह और अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

राजमार्ग-44 बंद रहने के दौरान कुल सेब उत्पादन का केवल 1 प्रतिशत ही राजमार्ग पर फंसा रहा : जम्मू-कश्मीर सरकार

श्रीनगर, 28 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने मंगलवार को कहा कि इस साल अगस्त के अंत और सितंबर की शुरुआत में भारी बारिश और भूस्खलन हुआ। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 बंद हो गया जिससे बागवानी उत्पादों, खासकर सेबों, को बाहरी बाज़ारों तक पहुँचाने में बाधा उत्पन्न हुई। सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग बंद रहने के दौरान कुल उपज का केवल लगभग 1 प्रतिशत ही फँसा रहा जबकि अधिकांश उपज मौसमी पैटर्न के अनुसार धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है।

विधानसभा में एक लिखित जवाब में सरकार ने कहा कि 2025 सीज़न के लिए कश्मीर में वर्तमान सेब उत्पादन 22.15 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है। राष्ट्रीय राजमार्ग -44 और मुगल रोड के बंद होने से फलों से लदे ट्रकों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई जिससे 17 सितंबर तक 22,000 मीट्रिक टन (लगभग 2,200 ट्रक) से ज़्यादा फल राजमार्ग पर फँस गए।

इसमें कहा गया है कि व्यवधान के बावजूद सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग -44 और मुगल रोड दोनों मार्गों के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के बाहर फलों से लदे लगभग 45,922 ट्रक भेजने में सफल रही जिनमें पिछले सीज़न के भंडारण में रखे गए फल भी शामिल थे।

इसमें आगे कहा गया है कि परिवहन की सुविधा के लिए मुगल रोड के रास्ते एक वैकल्पिक मार्ग पूरी तरह से चालू कर दिया गया है जबकि बडगाम और अनंतनाग से दिल्ली और जम्मू के लिए रेल सेवाएँ भी फिर से शुरू हो गई हैं। इसमें कहा गया है सड़क नाकेबंदी के दौरान, 10.03 करोड़ रुपये मूल्य के लगभग 1,25,376 सेब के डिब्बे ट्रेन से भेजे गए। इसके अतिरिक्त, ट्रकों की आवाजाही की निगरानी और समन्वय के लिए काजीगुंड में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था। सरकार ने कहा कि नाकेबंदी के दौरान कुल उपज का केवल लगभग 1 प्रतिशत ही फँसा रहा जबकि अधिकांश उपज मौसमी पैटर्न के अनुसार धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। 26-27 अगस्त और फिर 2-3 सितंबर को लगातार बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर खासकर रामबन और उधमपुर जिलों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ आ गई जिससे सड़क के कई हिस्से बह गए। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने युद्धस्तर पर बहाली का काम शुरू किया और 10 सितंबर तक सड़क को आंशिक रूप से फिर से खोल दिया।

OFFICE OF THE CHIEF EDUCATION OFFICER RAJOURI

Sub:- Final Seniority list of Laboratory Assistant employees as on dated :-27-10-2025 for their elevation to the next higher level.

CIRCULAR

It is for the information of all the Principals, ZEO's, Headmasters in General and Laboratory Assistant of this district in particular, that Final Seniority List of Laboratory Assistant employees (after considering the objections), as stood on 09-10-2025, for their elevation to the next higher level has been formulated and displayed for the information of all the concerned.

No:-CEOR/NT/22340-43
Dated:- 27.10.2025

DIP/J-7367/25
Dtd: 28-10-2025

Sd/
Chief Education Officer
Rajouri

संपादकीय

हर स्कूल बस को सुरक्षित क्षेत्र बनाना

यह बेहद सराहनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग ने स्कूल बसों में यात्रा करने वाले छात्रों की सुरक्षा पर ध्यान दिया है और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं कि हर बच्चा सुरक्षित स्कूल पहुँचे और घर लौटे। हर सुबह और दोपहर सड़कों पर पीली बसों की लंबी कतारें देखना आम बात है, लेकिन इस जानी-पहचानी तस्वीर के पीछे एक बड़ी ज़िम्मेदारी छिपी है – उन हज़ारों बच्चों की सुरक्षा जो रोज़ाना इन वाहनों पर निर्भर करते हैं। विभाग द्वारा जारी हालिया परिपत्र में सभी सरकारी और निजी, सभी संस्थानों के प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि छात्रों के परिवहन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली हर स्कूल बस परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित नियमों का पूरी तरह से पालन करे।

हालांकि कथित तौर पर निर्देशों में स्कूल बसों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का ज़िक्र नहीं है – जो ऐसे वाहनों के लिए अनिवार्य कर दिए गए हैं – लेकिन यह ज़रूरी है कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी बस को बिना सीसीटीवी कैमरों के बच्चों को ले जाने की अनुमति न हो। स्कूल बसों के अंदर निगरानी कर्मचारियों और छात्रों, दोनों के व्यवहार पर नज़र रखने और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह उपाय केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि छात्रों की सुरक्षा को मज़बूत करने की दिशा में एक व्यावहारिक कदम है।

यह सराहनीय है कि अधिकारियों ने इस मुद्दे को प्राथमिकता दी है, क्योंकि छोटे बच्चों और स्कूल स्टाफ की सुरक्षा हमेशा सर्वोपरि होनी चाहिए। स्कूलों को भी अपने ड्राइवरों, कंडक्टरों और संकाय सदस्यों के लिए यातायात अनुशासन, सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं और आपातकालीन प्रतिक्रिया पर नियमित जागरूकता सत्र आयोजित करने चाहिए। प्रत्येक ड्राइवर और सहायक को यह एहसास दिलाया जाना चाहिए कि एक पल की भी लापरवाही के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

हालाँकि, यह जिम्मेदारी केवल स्कूलों की नहीं है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों, विशेष रूप से यातायात पुलिस को यह सुनिश्चित करने में अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए कि स्कूल परिवहन कानूनी ढाँचे के भीतर सख्ती से संचालित हो। यह लाभदायक होगा यदि जम्मू शहर में अधिकारियों की एक समर्पित टीम को स्कूल बसों की निगरानी, नियमित जाँच और जागरूकता अभियान चलाने के लिए नियुक्त किया जाए। ये उपाय स्कूल परिवहन संचालकों में अनुशासन बनाए रखने और लापरवाही से वाहन चलाने को रोकने में मदद करेंगे। अंतिम लक्ष्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि चालक निर्धारित गति सीमा का कड़ाई से पालन करें, वाहन की फिटनेस बनाए रखें और केवल स्वीकृत मार्गों पर ही वाहन चलाएँ। संचालकों में जागरूकता का स्तर ऐसा होना चाहिए कि लापरवाही से या लापरवाही से वाहन चलाना कभी भी एक विकल्प न बने। स्कूली बच्चों की सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है, और प्रत्येक हितधारक को प्रत्येक स्कूल बस को एक सच्चा सुरक्षित क्षेत्र बनाने के लिए इन निर्देशों को गंभीरता से लेना चाहिए।

फूहड़ता का आकर्षण और वर्चुअल समाज की विडंबना

– डॉ प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया अब किसी एक व्यक्ति का नहीं, पूरे समाज का दर्पण है। यहाँ जो लिखा, कहा और साझा किया जा रहा है– वही हमारी सामूहिक सोच बन रहा है। अगर हम चाहते हैं कि समाज में शालीनता और संवेदना बनी रहे, तो हमें वर्चुअल व्यवहार में भी वही अनुशासन अपनाना होगा जो वास्तविक जीवन में अपनाते हैं। फूहड़ शब्दों की लोकप्रियता अल्पकालिक है, पर उनका प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक।

कुछ समय पहले तक मुझे यह गलतफहमी थी कि सोशल मीडिया पर केवल रील्स और वीडियोज़ में वल्गर या बेहूदा कंटेन्ट ही ज्यादा देखा जाता है। सोचती थी कि शायद यह दृश्य माध्यम का प्रभाव है– जहाँ चमक, शरीर और शोर ही बिकता है। पर हाल के दिनों में कुछ लम्बी पोस्टें पढ़ कर भ्रम टूटा। अब केवल दृश्य नहीं, भाषा भी बिकाऊ हो गई है। फूहड़पन अब सिर्फ कैमरे के सामने नहीं, कलम की नोक पर भी नाच रहा है। इन पोस्टों में विषय तो वही पुराने और 'ट्रेंडिंग' हैं– पुरुषों को कोसना, संबंधों में स्त्री की पीड़ा या समाज की संकीर्णता। पर इन सबके बीच सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन विचारों को जिस भाषा में व्यक्त किया जा रहा है, वह भाषा नहीं, गाली का उत्सव लगती है।

लाइक्स और कमेंट्स की बरसात होती है और भीड़ ताली बजाती है– मानो फूहड़ता अब किसी नई 'साहित्यिक विधा' का नाम बन चुकी हो।

कभी कहा जाता था कि लिखना, दिखने से कहीं कठिन होता है। लिखना मतलब सोचना, मनन करना, किसी विषय पर आत्मा से उतरकर बोलना। शब्द कभी भीड़ को लुभाने का नहीं, समाज को सजग करने का माध्यम होते थे। लेकिन आज इस संतुलन को एक नई भूख ने निगल लिया है– लोकप्रियता की भूख। अब जो सबसे तेज़, सबसे तीखा और सबसे विवादित लिखेगा, वही सबसे ज्यादा देखा जाएगा। 'क्लिक' और 'कमेंट' की इस दौड़ ने शब्दों की गरिमा को लगभग निचोड़ कर रख दिया है। अब भाषा का अर्थ अभिव्यक्ति नहीं, उत्तेजना रह गया है। यह प्रवृत्ति केवल अनपढ़ या असंवेदनशील वर्ग तक सीमित नहीं– कई बार वही लोग, जो समाज में सुधार, परिवार में संस्कार और रिश्तों में मधुरता की बातें करते हैं, इन पोस्टों पर टूट पड़ते हैं। वे न केवल इन्हें पढ़ते हैं बल्कि 'लाइक', 'हार्ट' और 'फायर' इमोजी भेजकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं– जैसे यह कोई सांस्कृतिक आंदोलन हो।

यह सवाल सबसे ज्यादा चुभता है– आखिर इस फूहड़ता में आकर्षण क्या है? क्या लोग वास्तव में इन विचारों से सहमत हैं या बस भीड़ में शामिल हो जाने की मजबूरी है? मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो सोशल मीडिया ने व्यक्ति को 'अदृश्य पहचान' दी है।

अब वह जो कहना, करना या दिखाना असल ज़िंदिगी में नहीं कर सकता, उसे वह वर्चुअल दुनिया में निर्भीक होकर कर सकता है। यह आज़ादी धीरे-धीरे अराजकता में बदल गई है। भाषा की मर्यादा, सामाजिक संवेदना और दूसरों की गरिमा– सब पर खुली छूट मिल गई है।

किसी का अपमान करना, समूहों को उकसाना, व्यंग्य में विष घोलना– यह सब अब 'क्रिएटिविटी' कहलाता है। फूहड़ भाषा को 'निर्भीक अभिव्यक्ति' बताया जा रहा है और सभ्य संवाद को 'पाखंड'। विचारों की जगह शब्दों का शोर छा गया है। विडंबना यह है कि यही समाज घर में बच्चों को मर्यादा, संस्कार और आदर का पाठ पढ़ाता है, मगर वर्चुअल मंच पर वही लोग अपशब्दों की पोस्ट पर हंसते हुए इमोजी भेजते हैं। यानी हमारी वास्तविक और वर्चुअल नैतिकता में ज़मीन-आसमान का अंतर है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स ने हमें संवाद का अवसर दिया था, पर हम उसे विवाद का अखाड़ा बना बैठे। जहाँ पहले विचारों की टकराहट होती थी, वहाँ अब शब्दों की लाठियाँ चलती हैं।

यह प्रवृत्ति केवल भाषा की समस्या नहीं, सामाजिक संस्कृति के क्षरण का संकेत है। क्योंकि जब शब्द दूषित होते हैं, तो विचार भी विकृत हो जाते हैं। जब विचार विकृत होते हैं, तो समाज में असहिष्णुता पनपती है। आज यही हो रहा है– हर वर्ग अपने पक्ष को 'एकमात्र सत्य' मानने लगा है और जो असहमत है, उसके लिए अपशब्द तैयार रखे हैं।

कला, चाहे लेखन हो या अभिनय– समाज से संवाद का माध्यम है। लेकिन संवाद और प्रहार में फर्क होता है। जो शब्द किसी की गरिमा को चोट पहुँचाएँ, वे अभिव्यक्ति नहीं, आक्रोश का प्रदर्शन हैं। जब यह आक्रोश लोकप्रियता के रास्ते का शॉर्टकट बन जाए, तब समाज को आत्ममंथन करना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि हम लोकप्रियता और गरिमा के बीच अंतर समझें। लिखना सिर्फ 'लोग क्या कहेंगे' के लिए नहीं होना चाहिए, बल्कि 'मैं क्या कहना चाहता हूँ' के लिए होना चाहिए। सच्चा लेखक भीड़ से नहीं, विवेक से संवाद करता है। लेकिन अफसोस, आज सोशल मीडिया ने साहित्य को मनोरंजन और विचार को व्यापार बना दिया है।

हर लाइक, हर कमेंट, हर शेयर– केवल एक बटन नहीं, एक नैतिक निर्णय है। जब हम किसी फूहड़ पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हैं तो हम अनजाने में उस प्रवृत्ति को बढ़ावा देते हैं।

डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का एल्गोरिदम तो वही दिखाता है जो अधिक देखा जाता है। इसलिए असभ्य कंटेन्ट तभी बढ़ता है जब हम उसे बढ़ाते हैं। दर्शक अगर जिम्मेदार बन जाएँ तो निर्माता भी सुधरने को मजबूर होंगे। संवेदनशील और सुसंस्कृत समाज वही होता है जहाँ लोकप्रियता का मापदंड शब्दों की गरिमा हो, न कि शब्दों की उत्तेजना।

सोशल मीडिया अब किसी एक व्यक्ति का नहीं, पूरे समाज का दर्पण है। यहाँ जो लिखा, कहा और साझा किया जा रहा है– वही हमारी सामूहिक सोच बन रहा है। अगर हम चाहते हैं कि समाज में शालीनता और संवेदना बनी रहे, तो हमें वर्चुअल व्यवहार में भी वही अनुशासन अपनाना होगा जो वास्तविक जीवन में अपनाते हैं। फूहड़ शब्दों की लोकप्रियता अल्पकालिक है, पर उनका प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक। विचारों की ताकत शब्दों की मर्यादा में ही बसती है, न कि उनकी अशालीनता में। इसलिए अब वक्त है कि हम ठहरकर सोचें– क्या हम वाकई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल कर रहे हैं या बस असभ्यता की स्वतंत्रता का जश्न मना रहे हैं? अगर जवाब दूसरा है तो हमें याद रखना चाहिए– सभ्यता की पहली पहचान भाषा होती है और जब भाषा गिरती है तो समाज भी गिर जाता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

परंपरा और प्रौद्योगिकी का संगम है नया भारत

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

ऐसे में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं भी ध्यान में आती हैं। इस वर्ष में मोदी सरकार की दस प्रमुख योजनाओं ने गरीब, किसान, महिला, युवा और बुजुर्ग सभी वर्गों को सशक्त किया है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत लाखों घरों में सौर ऊर्जा से मुफ्त बिजली मिल रही है। आयुष्मान भारत योजना से 50 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज का लाभ मिला है। जन-धन योजना के माध्यम से अब तक 52 करोड़ से अधिक खाते खुले हैं, जिससे वित्?तीय समावेशन को वैश्विक स्तर पर मिसाल माना जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आवास योजना में अब तक चार करोड़ से ज्यादा घरों का निर्माण हो चुका है।

साल 2025 का भारत आर्थिक आत्मविश्वास और अर्जित सम्मान की नई ऊंचाइयों पर खड़ा है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, अमेरिकी टैरिफ और पश्चिमी दबावों जैसी चुनौतियों के बीच भी भारत ने अपनी विकास दर को स्थिर रखा है। साथ ही समावेशी और टिकाऊ विकास का उदाहरण भी पेश किया है। कहना होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मनिर्भरता और आधुनिकता के संगम से एक नई आर्थिक पहचान गढ़ रहा है। सरकारी नीतियों की स्थिरता, जनकल्याण की निरंतरता और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है।

वस्तुत: अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों; आईएमएफ, विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक की रिपोर्टों के अनुसार, भारत 2025 में लगभग 6.5 प्रतिशत की दर से आर्थिक वृद्धि दर्ज कर रहा है, जो वैश्विक औसत 3.2 प्रतिशत से लगभग दुगुनी और चीन की 4.8 प्रतिशत दर से भी अधिक है।

भारत की कुल जीडीपी अब 4.3 ट्रिलियन डॉलर यानी 357 ट्रिलियन रुपये से अधिक हो चुकी है, जिससे वह अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो गया है। इस उपलब्धि के पीछे सरकार की पूंजीगत व्यय में ऐतिहासिक वृद्धि, सेवा क्षेत्र की तेजी, मजबूत घरेलू खपत और डिजिटल ढांचे का व्यापक विस्तार जैसे कारक हैं। रेलवे, सड़क, बंदरगाह, हरित ऊर्जा और रक्षा निर्माण में बढ़ते निवेश ने भारत की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान की है।

हमारे लिए यह गौरवपूर्ण बात हो सकती है कि अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने के बाद भी निर्यातकों ने अद्भुत लचीलापन दिखाया। अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच भारत का कुल निर्यात (वस्तु और सेवा मिलाकर) 413 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 396 बिलियन डॉलर की तुलना में 4.45 प्रतिशत अधिक है। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत वैश्विक संकटों के प्रभाव से उबरने में सक्षम है। मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी ऊर्जा नीति को राष्ट्रहित में रखा हुआ है। जैसा कि देखने में भी आया, रूस जैसे वैकल्पिक स्रोतों से सस्ते तेल आयात जारी रखकर औद्योगिक लागत को नियंत्रण में रख पाने में सरकार सफल रही है।

घरेलू बाजार में त्योहारी सीजन के दौरान जबरदस्त उछाल रहा, दिवाली 2025 पर देश भर में रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय उपभोक्ता का विश्वास अपनी अर्थव्यवस्था पर मजबूत बना हुआ है। यह भी हमारे लिए गौरव की बात है कि 87 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने 'वोकल फॉर लोकल' अभियान भाग लेकर स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दी। धनतेरस पर एक ही दिन में एक लाख से अधिक चारपहिया वाहनों की बिक्री हुई, जिनमें प्रमुख रूप से भारतीय और भारत में निर्मित ब्रांड्स– टाटा, महिंद्रा, मारुति और हुंडई का दबदबा दिखा। यह दृश्य बताता है कि हमारी क्रय शक्ति लगातार बढ़ रही है। जिसमें कि आत्मनिर्भर भारत के प्रति समाज का भावनात्मक जुड़ाव भी है।

स्वदेशी कंपनियों की सफलता की कहानियाँ अब वैश्विक स्तर पर चर्चा में हैं। ऑटोमोबाइल, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, एफएमसीजी और खुदरा क्षेत्र में भारतीय कंपनियाँ विदेशी ब्रांड्स को कड़ी टक्कर दे रही हैं। मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में भारत अब 300 से अधिक उत्पादन इकाइयों के साथ विश्व का प्रमुख केंद्र बन चुका है। 2025 के पहले पाँच महीनों में ही देश में आईफोन के उत्पादन का मूल्य 10 बिलियन डॉलर पार कर गया। टाटा, महिंद्रा, बजाज और मारुति जैसे ब्रांड्स लगातार बाजार में अग्रणी हैं, जबकि एफएमसीजी और खुदरा क्षेत्र में डाबर, पतंजलि, आईटीसी, रिलायंस रिटेल और गोदरेज जैसी कंपनियों ने मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों में स्थानीय उत्पादों की खपत बढ़ने से अपार नए रोजगार में वृद्धि दिख रही है।

ऐसे में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं भी ध्यान में आती हैं। इस वर्ष में मोदी सरकार की दस प्रमुख योजनाओं ने गरीब, किसान, महिला, युवा और बुजुर्ग सभी वर्गों को सशक्त किया है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत लाखों घरों में सौर ऊर्जा से मुफ्त बिजली मिल रही है। आयुष्मान भारत योजना से 50 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज का लाभ मिला है।

जन-धन योजना के माध्यम से अब तक 52 करोड़ से अधिक खाते खुले हैं, जिससे वित्?तीय समावेशन को वैश्विक स्तर पर मिसाल माना जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आवास योजना में अब तक चार करोड़ से ज्यादा घरों का निर्माण हो चुका है।

स्वच्छ भारत मिशन ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जीवनस्तर को सुधारा है और कौशल विकास योजनाओं ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। वृद्धावस्था पेंशन और अंत्योदय अन्न योजना जैसे कार्यक्रमों ने कमजोर तबकों को सुरक्षा कवच दिया है।

विदेशी निवेश के क्षेत्र में भी भारत का प्रदर्शन उल्लेखनीय दिखता है। वित्?त वर्ष 2024-25 में भारत में रिकॉर्ड 81 बिलियन डॉलर का एफडीआई आया, जो अब तक का सर्वाधिक है। यह निवेश सेवा, मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में हुआ, जिससे लाखों नए रोजगार बने। 'मेक इन इंडिया' और 'पीएलआई' योजनाओं ने एपल, फॉक्सकॉन, सेमसंग और माइक्रोन जैसी वैश्विक कंपनियों को भारत में उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम अब विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बन चुका है, जहाँ सौ से अधिक यूनिकॉर्न्स सक्रिय हैं जोकि नवाचार के नए द्वार खोल रहे हैं।

इसी तरह आज कृषि, सेवा और औद्योगिक क्षेत्र तीनों ही मोर्चों पर संतुलित प्रगति दिखाई दे रही है। कृषि में 2025 में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा चुकी है। ड्रोन, जैविक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और ई-नाम प्लेटफॉर्म के कारण उत्पादकता में वृद्धि और किसानों की आय में सुधार हुआ है। सेवा क्षेत्र देश की जीडीपी में 55 प्रतिशत का योगदान दे रहा है, जबकि आईटी, टेलीकॉम और वित्तीय सेवाओं में तीव्र विकास ने भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाया है। औद्योगिक क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान आधारित उत्पादन को बल मिला है और हाल के महीनों में आईपीओ बाजार में जुटाई गई पूंजी ने निवेशकों के भरोसे को नई ऊंचाई दी है।

साल 2025 के भारत को लेकर आज यही कहना होगा कि अपनी परंपरा-आधुनिकता के संतुलन, लोककल्याण और निजी उद्यमिता के समन्वय तथा नवाचार-आत्मनिर्भरता की साझी शक्ति के बल पर अब दूसरों की शर्तों पर नहीं, बल्कि अपने स्वाभिमान और हितों पर खड़ा है। यह वही आत्मविश्वास है जो भारत को आने वाले दशक में एक नई वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करता हुआ दिखता है, एक ऐसे विश्व गुरु के रूप में, जो अपने विकास की कहानी लिखने के साथ ही दुनिया को भी नई दिशा दे रहा है।

(लेखक, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य एवं पत्रकार हैं)

जंगली हाथियों की लगातार घटती संख्या

डॉ. रमेश ठाकुर

हाथियों की डीएनए-आधारित गणना के नतीजे आ गए हैं। सार्वजनिक हुए ये नतीजे दुखद हैं। भारत के जंगलों में गजराजों की आबादी तेजी से घटने का तथ्य सामने आया है।संख्या में गिरावट की यह रफ्तार इतनी तेज है कि जरूरी उपाय नहीं किए गए तो गजराजों की गर्जना अतीत की बात हो सकती है।

यह पर्यावरणविदों की उस बात पर भी मुहर है जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों से लंबे समय से हाथियों को बचाने की मांग की जाती रही है। गणना आधुनिक तकनीकों से हुई। यह नई डीएनए तकनीक प्रत्येक हाथी की उसके जेनेटिक सिग्नेचर से पहचान करती है। इससे गिनती बिल्कुल सटीक होती है। इसे दुनिया की पहली व्यापक डीएनए-आधारित हाथी गणना का तमगा हासिल है।

रिपोर्ट में सबसे ज्यादा हाथी कर्नाटक में बताए हैं, वहां 6,013 हाथी हैं। दूसरे स्थान पर असम को रखा है जहां 4,159 हाथी हैं। इसके अलावा तमिलनाडु में 3136, केरल में 2785, उत्तराखंड में 1792 और ओडिशा में 912 हाथी शेष बचे हैं। इस मामले में उत्तराखंड, तराई क्षेत्र, हिमाचल क्षेत्रों के हालात बहुत खराब हैं।

गणना के नतीजे बताते हैं कि भारत में हाथियों की कोई प्रजाति ऐसी नहीं बची, जिनमें उनकी कम होती संख्या न दर्ज की गई हो। मौजूदा गणना की मानें तो पिछले 8 साल में करीब 25 फीसदी हाथियों की संख्या भारत में सिमट गई है। जंगलों में वास करने वाली विभिन्न किस्म की जीव प्रजातियां और बेजुबान जानवरों की संख्या बीते कुछ वर्षों से लगातार घटी ही हैं, उनमें हाथी भी अब शामिल हो गए हैं।

तीन हजार के करीब ऐसे जीव हैं जिनकी संख्या तकरीबन विलुप्त हो चुकी है। कुछ कतार में हैं। उसी कतार में हाथियों का भी शामिल होना, घोर चिंता का विषय है। जंगलों का लगातार खत्म होना, उनके रहने की जगहों का टुकड़ों में बंटना और गलियारों का कटना- इसके मुख्य कारण निकल कर आए हैं। हाथियों को उनके रहने की जगह जब नहीं मिलती हैं तो वह खेतों और आवासीय क्षेत्रों का रुख करते हैं, जहां पहले से घात लगाए शिकारियों के चंगुल में फंस जाते हैं। कुछ महीने पहले असम से दुखद खबर आई थी, दर्जन भर से ज्यादा हाथी रेलवे पटरी पर आकर कट गए थे।

भारत में पहली मर्तबा डीएनए आधारित इस नई टेक्नोलॉजी द्वारा हाथियों की गिनती हुई है जिसमें यह चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने हाथियों को लेकर पिछली गणना साल-2017 में कराई गई थी जिसमें में 29964 हाथी बताए गए थे। वहीं, मौजूदा गणना में संख्या घटकर मात्र 22446 रह गई।

यानी वर्ष 2017 से 2025 के बीच इन 8 वर्षों में करीब साढ़े सात हजार हाथी कम हो गए। हाथियों की कम होती आबादी जंगलों के सिकुड़ते आकार और इंसानों व हाथियों के बीच बढ़ते टकराव की ओर इशारा आज से नहीं, बल्कि बहुत पहले से कर रही है।

लेकिन हम बेखबर थे। असम के जंगलों में हाथियों की संख्या सर्वाधिक हुआ करती थी, वहां उनका अवैध शिकार बड़े स्तर पर आज भी जारी है। हाथियों की कुछ प्रजातियां ऐसी हैं जो सिर्फ भारत में ही पाई जाती है। उन हाथियों के दांत व शरीर के अन्य अंगों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी मांग रहती है। मोटी कमाई के लालच में तस्कर बेजुबान हाथियों का शिकार करते हैं। इस कृत्य में कई बार वनकर्मियों की भी सांठगांठ सामने आई है।

भारत के अलावा वैश्विक स्तर भी हाथियों की आबादी तेजी से घट रही है। मौजूदा जनगणना 'वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया' के नेतृत्व में हुई है जिनमें पारंपरिक तरीकों को छोड़कर नए आधुनिक और वैज्ञानिक रूप से सटीक डीएनए मार्क-रिकैप्चर विधि का इस्तेमाल किया गया। पहले हाथियों की गिनती उनकी चहलकदमियों या तो उन्हें देखकर हुआ करती थी या फिर उनके प्रजनन के आधार पर आकलन किया जाता था।

पर, वह तरीके उतने सटीक नहीं थे। विश्व भर में हाथियों की मौजूदगी की बात करें तो वर्ष 1964 से लेकर 2016 तक जंगली हाथियों की आबादी में औसतन 90 फीसदी की कमी हुई है।

अफ्रीका में पाए जाने वाले सवाना हाथियों की संख्या तकरीबन एक तिहाई लुप्त हो चुकी है। कुल मिलाकर, हाथियों की संपूर्ण आबादी में औसतन 77 प्रतिशत कमी आ चुकी है। करीब तीन दशक पूर्व ग्लोबल लेबल पर किए गए सर्वेक्षण में 37 देशों के 475 ऐसे स्थलों का जायजा लिया गया था जहां हाथियों की आबादी अच्छी हुआ करती थी। लेकिन सर्वेक्षण टीम ने उन सभी जगहों पर हाथियों की संख्या में गिरावट दर्ज की। उस गणना में भारतीय जंगल भी शामिल थे।

अभी कुछ नहीं बिगड़ा, हाथियों को अभी भी बचाया जा सकता है। विश्व के 90 देशों के मुकाबले भारत में गजराजों की आआदी अभी भी सर्वाधिक है। भारत के पश्चिमी घाट अभी भी हाथियों के सबसे बड़े गढ़ हैं, वहां 11,934 हाथी हैं। जबकि, साल 2017 में इनकी संख्या 14,587 थी। उत्तर-पूर्वी पहाड़ियों और ब्रह्मपुत्र के बाढ़ वाले मैदानों में 6,559 हाथी हैं जो साल 2017 के 10,139 से कम हैं। मध्य भारत के ऊंचे इलाके और पूर्वी घाट में कुल मिलाकर 1,891 हाथी हैं जो साल 2017 की रिपोर्ट में बताए गए 3,128 हाथियों से कम हैं।

हाथियों की आबादी बढ़ाने के लिए सबसे पहले सुरक्षित आवासों को संरक्षित करना होगा और अवैध शिकार करने वाले तस्करों पर लगाम लगानी होगी। सबसे जरूरी ध्यान मादा हथनियों के स्वास्थ्य की देखभाल और उनके आवश्यक रखरखाव पर ध्यान देना होगा। इससे प्रजनन क्रियाओं को बढ़ावा मिलेगा। असम, कर्नाटक जैसे राज्यों में 'टाइगर रिर्जव' की भांति 'हाथी रिजर्व परियोजना' या 'प्रोजेक्ट एलिफेंट' जैसे विंग गठित होने चाहिए। इन जरूरी तथ्यों पर ध्यान दिए बिना हाथियों को नहीं बचाया जा सकता। इसमें सामाजिक स्तर पर भी बड़े और लगातार प्रयास किए जाने की जरूरत है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हाइलो ओपन सुपर 500: भारतीय शटलरों को मिला कठिन ड्रॉ, पहले राउंड में होंगे कड़े मुकाबले

एजेंसी

सारब्रुकेन (जर्मनी)। 4,75,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाले हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय शटलरों को मुश्किल ड्रॉ का सामना करना पड़ेगा। शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा खिलाड़ी भी चुनौती पेश करेंगे, लेकिन पहले दौर से ही उन्हें कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। पुरुष एकल वर्ग में 2021 विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन, जिन्होंने हाल ही में हांगकांग ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी, का मुकाबला फ्रांस के पांचवीं वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव से होगा। वहीं यूएस ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का सामना डेनमार्क के विक्टर लाई से होगा। पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत, जिन्होंने इस साल मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई थी, को पहले ही दौर में हमवतन किरण जॉर्ज से भिड़ना होगा। इसके अलावा एस. शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम का सामना मलेशिया के लियोंग जुन हाओ से होगा, जबकि थरुण मानेपल्ली, जो हाल ही में मकाऊ ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनल में पहुंचे थे, दूसरे वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ेंगे। महिला एकल वर्ग में अन्मोल खर्ब, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में आर्कटिक ओपन सुपर 500 के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी, का सामना डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसेन से होगा।

पीकेएल-12 (क्वालीफायर-1) : फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी दिल्ली

नई दिल्ली। दबंग दिल्ली प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन की पहली फाइनलिस्ट टीम बन गई है। त्यागराज इंडोर स्टेडियम में सोमवार रात खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के क्वालीफायर-1 मुकाबले में दिल्ली ने टाईब्रेकर में पुनेरी पल्टन को 6-4 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। निर्धारित समय तक मुकाबला 34-34 से बराबर रहने के बाद फैसला टाईब्रेकर से हुआ। इस सीजन में इन दो टीमों के बीच यह तीसरा टाईब्रेकर था, जिसमें दिल्ली ने दो बार बाजी मारी। निर्धारित समय के खेल की बात की जाए तो दिल्ली ने रेड और डिफेंस से दो-दो अंक लेकर पांच मिनट में ही 4-1 की लीड ले ली। इस बीच डू ओर डाई रेड पर डिफेंस ने पंकज को लपक लिया लेकिन पल्टन के डिफेंस ने आशु को लपक लिया लेकिन इस दौरान पल्टन के दो डिफेंडर भी सेल्फ आउट हुए। इस रेड पर दोनों टीमों को 2-2 अंक मिले और पल्टन के लिए सुपर टैकल आन हो गया। ब्रेक के बाद दिल्ली के डिफेंस ने आदित्य को लपक पल्टन के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। आशू की रेड पर विशाल सेल्फ आउट हुए और पल्टन दो खिलाड़ियों तक सीमित हुए। फिर आशू ने एक ही रेड में आलआउट लेकर दिल्ली को 13-6 से आगे कर दिया। आलइन के बाद आदित्य ने आशु को बाहर दिल्ली को बड़ा झटका दिया। फिर पंकज ने सौरव और फजल को बाहर कर स्कोर 11-15 कर दिल्ली को बैकफुट पर ला दिया। पल्टन ने यहां आलआउट लेकर शानदार वापसी की।

एशिया ट्रायथलॉन जूनियर एवं अंडर-23 चैंपियनशिप के लिए एमपी के चार खिलाड़ियों का चयन

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य ट्रायथलॉन अकादमी भोपाल के चार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन एशिया ट्रायथलॉन जूनियर एवं अंडर-23 चैंपियनशिप के लिए हुआ है। इनमें आद्यया सिंह, दुर्विसा पवार, रोशन गोंड और अभिषेक मॉडनवाल शामिल हैं। यह प्रतियोगिता 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक अरब देश जॉर्डन के अकाबा में आयोजित की जा रही है। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे मप्र अकादमी के चारों खिलाड़ी सोमवार को अपने मुख्य कोच कैप्टन मनोज कुमार झा के नेतृत्व में जॉर्डन के लिए रवाना हुए। खेल विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, एशिया ट्रायथलॉन जूनियर एवं अंडर-23 चैंपियनशिप एशियाई महाद्वीप की प्रतिष्ठित स्पर्धाओं में से एक है, जिसमें एशिया के विभिन्न देशों के श्रेष्ठ ट्रायथलीट्स भाग लेते हैं। यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों के लिए न केवल अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर है।

अंडर-16 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में भानु प्रताप क्लब को मिली जीत

प्रयागराज। भानु प्रताप सिंह क्लब ने शिवपुर क्लब वाराणसी को 20 रन से हराकर सैयद असद कासिम स्मृति अंडर-16 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किए। दौलत हुसैन मैदान पर खेले गए मैच में भानु प्रताप क्लब ने 35 ओवर में 9 विकेट पर 243 रन (शिवम पटवा 63, अंकुर यादव 37, शिव गौतम 30, प्रियांशु 28, सुमित सिंह 20, मुकर्रम रजा 3-33, शिवम यादव 2-46, शुभम यादव, तेजस सिंह व रोहित पटेल एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में शिवपुर क्लब की टीम 35 ओवर में 9 विकेट पर 223 रन (मुकर्रम रजा 74, रोहित पटेल 41 नाबाद, रुद्रांश सिंह 24, अथर्व सिंह 20, दिव्यांश यादव 2-12, अंशुमान 2-18, शिवम पटवा, सनातन राय व प्रियांशु एक-एक विकेट) ही बना सकी। शिवम पटवा को पूर्व क्रिकेटर फरासत उल्ला ने मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार दिया। मैच में शिशिर मेहरोत्रा व मोहम्मद नबी अम्पायर एवं खुर्शीद अहमद व आशीष भारतीय स्कोरर रहे।

कैनबरा में भारत की पहली टी20 परीक्षा, बुमराह समेत इन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

एजेंसी

कैनबरा: क्रिकेट, जो हमेशा अपनी अनिश्चितताओं के लिए जाना जाता है, एक बार फिर संयम और समय की परीक्षा लेने को तैयार है। टी20 वर्चस्व के शिखर पर खड़ा भारत केवल एक मैच खेलने नहीं, बल्कि बीते एक साल के अजेय आत्मविश्वास की रक्षा के लिए कैनबरा पहुंचा है। आंकड़े भारत की ताकत को बयान करते हैं। एशिया कप में अजेय अभियान, टी20 विश्व चैंपियन का ताज, और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले छह में से पांच मुकाबलों में जीत। लेकिन अब कहानी एक नई पिच पर शुरू होती है, कैनबरा के ठंडे आसमान और स्विंग लेती गेंदों के बीच, जहां मेजबान टीम की पुरानी धुन गूंजती है,'हम घर पर नहीं हारते।'सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में आत्मविश्वासी और निडर स्वभाव के प्रतीक इन

खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें: अभिषेक शर्मा, जिनकी कलाई में बगावत की लय है, तिलक वर्मा, जो शांत अवज्ञा से बल्लेबाजी करते हैं और शुभमन गिल, जो टेस्ट के कवि से टी20 के पावर-हिटर बन चुके हैं। फिर आते हैं जसप्रीत बुमराह। भारत के 'शांत वज्र', जिन्होंने तेज गेंदबाज़ी की परिभाषा को सटीकता और सौंदर्य से फिर से गढ़ा है। उनके साथ युवा गेंदबाज़ अर्शदीप सिंह पर भी सबकी निगाहें टिकी होंगी। अर्शदीप ने हाल के महीनों में नई गेंद और डेथ ओवरों में शानदार नियंत्रण दिखाया है। अगर दोनों तेज गेंदबाज अपनी लय पा लें, तो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों के लिए यह शाम लंबी साबित हो सकती है।दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया परिचित ताकत और रणनीतिक असमंजस के बीच खड़ा है। मिचेल मार्श नेतृत्व के बोझ और ताकत दोनों को ढो रहे हैं, जबकि ट्रैविस हेड, मार्कस स्टोइनिस, और टिम डेविड जैसे पावर-हिटर्स टीम में जोश भरते हैं। मगर एडम जम्पा की अनुपस्थिति उनकी स्पिन आक्रमण को अधूरा बनाती है।मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:45 बजे शुरू होगा। कैनबरा में कल से शुरू हो रही यह श्रृंखला केवल रन और विकेट का नहीं, बल्कि नियंत्रण और स्वतंत्रता के बीच की मानसिक जंग का भी प्रतीक होगी।

घुटने की चोट के कारण दो महीने मैदान से दूर रहेंगे रियल मैड्रिड के डिफेंडर कार्वाहल

एजेंसी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड की एफसी बार्सिलोना पर 2-1 की जीत टीम के लिए महंगी साबित हुई है। क्लब ने जानकारी दी कि टीम के कप्तान और डिफेंडर डैनी कार्वाहल को घुटने में गंभीर चोट लगी है। रियल मैड्रिड की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, हमारे कप्तान डैनी कार्वाहल पर किए गए चिकित्सीय परीक्षणों में उनके दाहिने घुटने के जोड़ में एक ढीला टुकड़ा पाया गया है। क्लब ने आगे बताया कि अब कार्वाहल की

आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी की जाएगी। यह चोट उन्हें लगभग दो महीने तक मैदान से दूर रखेगी, यानी वे 2026 की शुरुआत तक टीम से बाहर रह सकते हैं। स्पेनिश अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कार्वाहल हाल ही में एक महीने की मांसपेशीय चोट से उबरकर एल क्लासिको मुकाबले में दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट लौटे थे। 33 वर्षीय कार्वाहल ने 2024-25 सीज़न का अधिकांश हिस्सा घुटने के लिगामेंट फटने की वजह से गंवाया था और मौजूदा सीज़न की शुरुआत में ही मैदान पर वापसी की थी, जहाँ वे नए खिलाड़ी ट्रेंट एलेक्ज़ेंडर-अर्नोल्ड के साथ राइट बैक पोजीशन के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि एलेक्ज़ेंडर-अर्नोल्ड भी हाल ही में मांसपेशीय चोट से लौटे हैं, जिसके चलते कोच जाबी अलोंसो ने कुछ मैचों में उरुग्वे के मिडफील्डर फेडे वाल्वेर्डे को डिफेंस के दाहिने हिस्से में उतारा था।

विराट-रोहित के आलोचकों पर भड़के एबी डिविलियर्स, बोले- कॉकरोच बिलों से निकलकर बोलने लगते हैं

एजेंसी

सिडनी: भारत के दो महान बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा हाल के दिनों में आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी वनडे में दोनों ने शानदार प्रदर्शन कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया। रोहित ने दूसरे वनडे में अर्धशतक के बाद तीसरे मुकाबले में शतक ठोका, जबकि कोहली ने शुरुआती दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद नाबाद 74 रन की बेहतरीन पारी खेली। इसी बीच, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने सोशल मीडिया पर कोहली और रोहित का समर्थन करते हुए उनके आलोचकों पर जमकर निशाना साधा। डिविलियर्स ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि लोग–या कहूं तो ये 'कॉकरोच'–क्यों अपने बिलों से निकलकर ऐसे खिलाड़ियों पर निशाना साधते हैं, जिन्होंने अपने देश और क्रिकेट के लिए जीवन समर्पित कर दिया है। यह समय उन्हें नीचा दिखाने का नहीं, बल्कि उनका सम्मान करने का है। उन्होंने आगे कहा कि कोहली और रोहित जैसे

दिग्गजों ने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, फिर भी कुछ लोग लगातार नकारात्मकता फैलाने में लगे रहते हैं। डिविलियर्स ने कहा, ÷वो दोनों पिछले कुछ महीनों से आलोचना झेल रहे हैं। मुझे समझ नहीं आता कि लोग उन्हें नीचे खींचने की कोशिश क्यों करते हैं। हालांकि, यह अल्पसंख्यक समूह है – क्योंकि ज्यादातर लोग विराट और रोहित की अद्भुत करियर उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं।सिडनी वनडे में दोनों वरिष्ठ बल्लेबाजों ने बल्ले से दमदार प्रदर्शन करते हुए न केवल भारत को जीत दिलाई, बल्कि अपने आलोचकों को भी चुप कराया। इस प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं ने दोनों के कम से कम दक्षिण अफ्रीका सीरीज तक वनडे भविष्य को सुरक्षित माना है।

तुर्की की फुटबॉल लीग के सैकड़ों रेफरी सट्टेबाजी की जांच के घेरे में

एजेंसी

अंकारा : तुर्की फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष इब्राहिम हासियोसमानोग्लू ने कहा कि तुर्की की पेशेवर फ़ुटबॉल लीग में काम करने वाले सैकड़ों रेफरी सट्टेबाजी की गतिविधियों में लिप्त पाए गए हैं। इस्तांबुल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हासियोसमानोग्लू ने कहा कि उन्हें दंड के लिए अनुशासन समिति के पास भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी एजेंसियों के आंकड़ों से समर्थित एक आंतरिक जांच से पता चला है कि 571 सक्रिय रेफरियों में से 371 के पास सट्टेबाजी के खाते थे। उन्होंने आगे कहा, राज्य संस्थानों से प्राप्त आंकड़ों और हमारी पेशेवर टीम के काम के अनुसार यह पाया गया कि पेशेवर लीगों में 571 सक्रिय रेफरी में से 371 के पास सट्टेबाजी खाते हैं। इनमें से 152 सक्रिय रूप से सट्टेबाजी करते पाए गए। इस सूची में सात शीर्ष-श्रेणी के रेफरी, 15 शीर्ष-श्रेणी के सहायक रेफरी, 36 उच्च-श्रेणी के रेफरी और 94 उच्च-श्रेणी के सहायक रेफरी शामिल हैं। हसिओसमानोग्लू ने कहा कि 10 रेफरी ने 10,000 से ज्यादा दांव लगाए, एक रेफरी ने अकेले 18,227 दांव लगाए, और 42 रेफरी ने 1,000 से ज्यादा फुटबॉल मैचों पर

दांव लगाया। हालांकि कुछ रेफरी केवल एक बार ही दांव लगाते पाए गए। उन्होंने कहा, आज से हमारा अनुशासन बोर्ड आवश्यक कार्रवाई करेगा। उन्हें जल्द ही बोर्ड के पास भेजा जाएगा और हमारे नियमों के अनुसार दंडित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महासंघ ने अपने निष्कर्षों को फीफा और यूईएफए के साथ साझा किया है। टीएफएफ अध्यक्ष ने बताया कि समीक्षा में रेफरी से आगे बढ़कर महासंघ के सदस्यों को भी शामिल किया गया। उन्होंने कहा, हमने रेफरी से शुरुआत की, जिनमें मैं और मेरे बोर्ड के सदस्य शामिल हैं। उन्होंने फुटबॉल क्लबों से भी ऐसा ही करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, जैसे हम अपने घर की सफाई कर रहे हैं, वैसे ही क्लब अध्यक्षों को भी खुद से, अपने बोर्ड और अपने खिलाड़ियों से शुरुआत करनी चाहिए और परिणामों को पारदर्शी तरीके से जनता के साथ साझा करना चाहिए।उन्होंने आगे कहा, अगर ऐसा नहीं होता है, तो हम संबंधित राज्य निकायों के साथ काम करना जारी रखेंगे और अपने निष्कर्षों को सार्वजनिक करेंगे। हालांकि तुर्की में एक ही राज्य द्वारा संचालित प्रणाली के तहत खेलों पर सट्टा लगाना कानूनी है, लेकिन रेफरी, खिलाड़ियों और अधिकारियों को किसी भी फुटबॉल मैच पर सट्टा लगाने की सख्त मनाही है।

महिला विश्व कप, सेमीफाइनल: इंग्लैंड के स्पिन आक्रमण के सामने रन बरसाने को तैयार अफ्रीकी बल्लेबाज

एजेंसी

गुवाहाटी: महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की टीम बुधवार को चार बार की चैंपियन इंग्लैंड से भिड़ेगी। लीग चरण में करीबी जीतों के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम को अगर इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम को कड़ी टक्कर देनी है, तो उसके बल्लेबाजों को स्पिन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन दिखाना होगा।

दक्षिण अफ्रीका को लीग में दो हार का सामना करना पड़ा था, और दोनों बार उसकी बल्लेबाजी स्पिन के सामने ढह गई थी। शुरुआती मैच में केवल 69 रन पर सिमटने के बाद टीम ने शानदार वापसी की और न्यूजीलैंड, भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ करीबी जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम लीग मैच में फिर से वही कमजोरी दिखी जब टीम 24

ओवरों में केवल 97 रन पर ढेर हो गई। इंग्लैंड इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगा और अपनी स्पिन तिकड़ी – सोफी एक्लेस्टोन, लिंसे स्मिथ और चार्ली डीन – के सहारे विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास करेगा। तेज गेंदबाज लॉरेन बेल को नई गेंद से शुरुआती सफलता दिलानी होगी, जबकि एलिस कैप्सी भी इस समय शानदार लय में हैं और टूर्नामेंट में अब तक पांच विकेट ले चुकी हैं।

गुवाहाटी में बारिश की संभावना भी बनी हुई है, जिससे दोनों टीमें मौसम पर भी नज़र रखेंगी।

टीमें:

इंग्लैंड: नैट स्किवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

दक्षिण अफ्रीका: लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तज़मिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिज़ान काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

जसप्रीत बुमराह के पास इतिहास रचने का मौका, रिकॉर्ड तोड़ने से मात्र तीन विकेट दूर

एजेंसी

कैनबरा : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने के कगार पर हैं। बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज बनने के लिए अब सिर्फ तीन विकेट की जरूरत है। फिलहाल यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सईद अजमल के नाम है, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 मैचों में 19 विकेट लिए थे, औसत 14.26 के साथ। बुमराह ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 17 विकेट झटके हैं और इस सूची में उनके साथ पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर, न्यूज़ीलैंड के मिशेल सैंटनर और ईश सोढ़ी भी शामिल हैं।

टीम इंडिया के लिए बड़ी उम्मीदें

तीन वनडे मैचों की सीरीज से आराम मिलने के बाद बुमराह अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मुकाबलों में लौटने जा रहे हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने संकेत दिए हैं कि बुमराह पावरप्ले ओवर्स में भी गेंदबाज़ी करेंगे, जैसा कि उन्होंने एशिया कप 2025 में किया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 में पावरप्ले अहम, ये खिलाड़ी उपयोगी साबित होगा : सूर्यकुमार यादव

एजेंसी

कैनबरा : भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में पावरप्ले के ओवर काफी महत्वपूर्ण होंगे और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की मौजूदगी से मैच के इस समय में उनकी टीम की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। सूर्यकुमार ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक खेल शैली के सामने बुमराह का होना हमेशा से उनकी टीम के लिए फायदेमंद रहा है। सूर्यकुमार ने श्रृंखला से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पावर प्ले में गेंदबाजी करना हमेशा चुनौती होती है। हमने देखा है कि वे (ऑस्ट्रेलिया) वनडे श्रृंखला और टी20 विश्व कप में किस तरह

से खेले। पावर प्ले हमेशा महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा, 'आपने एशिया कप में देखा होगा कि उन्होंने (बुमराह ने) पावर प्ले में कम से कम दो ओवर गेंदबाजी करने कीजिम्मेदारी ली थी, इसलिए हमारे लिए यह अच्छी बात है कि वह जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ निश्चित रूप से पावर प्ले में गेंदबाजी करना अच्छी चुनौती होगी। बुमराह ऑस्ट्रेलिया में खेलने के मामले में भारतीय टी20 टीम में सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं और सूर्यकुमार ने कहा कि उनका मुख्य तेज गेंदबाज जानता है कि इस तरह की श्रृंखला के लिए किस तरह से तैयारी करनी होती है। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से उन्होंने (बुमराह ने) पिछले कई वर्षों से क्रिकेट खेला है, उन्होंने खुद को शीर्ष पर बनाए रखा है और वह जानते हैं कि एक अच्छी श्रृंखला के लिए कैसे तैयारी करनी है, वह जानते हैं कि यहां कैसे क्रिकेट खेलना है। सूर्यकुमार ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने सभी खिलाड़ियों में से इस देश का सबसे ज्यादा बार दौरा किया है, इसलिए सभी खिलाड़ियों ने उनसे बात की है। वह काफी मददगार हैं। उनका हमारी टीम में होना हमारे लिए अच्छी बात है।

लियोनेल मेसी ने तोड़ी चुप्पी, फीफा वर्ल्ड कप खेलने को लेकर कही बड़ी बात

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स :अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप का खिताब दिलाने वाले दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने अगले साल होने वाले 2026 विश्व कप को लेकर बड़ा बयान दिया है। मेसी ने कहा कि वह एक बार फिर अर्जेंटीना के लिए विश्व कप खेलना चाहते हैं, लेकिन अंतिम फैसला वह अपनी शारीरिक स्थिति को देखकर लेंगे। 38 वर्षीय मेसी वर्तमान में एमएलएस क्लब इंटर मियामी के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने एनबीसी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, विश्व कप खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए असाधारण अनुभव होता है और मैं जरूर खेलना चाहूंगा। लेकिन मैं अगले साल प्री-सीजन शुरू होने पर देखूंगा कि मेरा शरीर कितना साथ देता है। अगर मैं टीम के लिए 100 फीसदी उपयोगी रह सकता हूं, तभी खेलने का फैसला करूंगा। उन्होंने कहा, हम पिछला विश्व कप जीत चुके हैं, और उसे फिर से मैदान पर डिफेंड करना शानदार होगा। राष्ट्रीय टीम के साथ खेलना हमेशा एक सपना रहा है, खासकर विश्व कप जैसी प्रतियोगिता में। मेसी ने 2004 में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की थी। बार्सिलोना से 17 वर्ष की उम्र में पदार्पण करने के बाद, उन्होंने पीएसजी (पेरिस सेंट-जर्मेन) के लिए खेला और 2023 में इंटर मियामी से जुड़े। फ्लोरिडा में अपने जीवन को लेकर उन्होंने कहा,

मुझे मियामी में रहना पसंद है। बार्सिलोना हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा, लेकिन यहां का माहौल शांतिपूर्ण है, बच्चे यहां खुलकर जी सकते हैं और हमें जीवन का आनंद लेने का मौका मिलता है। मेसी अब तक अर्जेंटीना के लिए 195 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 114 गोल दागे हैं।

पीकेएल-12 (एलिमिनेटर-2): पटना पाइरेट्स ने बेंगलुरू बुल्स को हराया, एलिमिनेटर-3 में तेलुगू टाइटंस से भिड़ंत तय

एजेंसी

नई दिल्ली। तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के एलिमिनेटर-2 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए बेंगलुरू बुल्स को 46-37 से मात दी। इस जीत के साथ पटना ने लगातार आठवीं जीत दर्ज करते हुए एलिमिनेटर-3 में जगह बना ली, जहां उसका मुकाबला तेलुगू टाइटंस से होगा। त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में पटना के स्टार रेडर अयान (19 अंक) ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं, नवदीप और दीपक ने डिफेंस में बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए हाई-5 पूरा किया। बेंगलुरू बुल्स की ओर से सुपर-सब शुभम बिटाके ने इतिहास रचते हुए एक ही रेड में सात अंक (1 बोनस, 6 टच प्वाइंट) हासिल किए और टीम को एक समय पटना को आलआउट कर वापसी की राह पर ला दिया। हालांकि, कप्तान अलीरेजा मीरजाइन (6 अंक) अपनी लय नहीं पकड़ सके और बुल्स को अंततः टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। पटना ने शुरुआत से ही मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया था। शुरुआती पांच मिनट में ही बुल्स को आलआउट कर 9-3 की बढ़त ले ली। अयान की लगातार रेड और दीपक की मजबूत टैकलिंग से टीम ने स्कोर 15-5 कर लिया। ब्रेक से पहले अयान की मल्टीप्वाइंटर रेड ने पटना को 23-12 की मजबूत बढ़त दिलाई, जबकि हाफटाइम तक यह बढ़त 14 अंकों की हो गई।

टी20 सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श ने बताया गेम प्लान

एजेंसी

कैनबरा : ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श का मानना है कि उनकी टीम की 'आक्रामक बैटिंग रणनीति' हमेशा सफल नहीं हो सकती, लेकिन यह वही रास्ता है जो उन्हें अगले साल होने वाले ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 में जीत तक ले जा सकता है। भारत और श्रीलंका में होने वाले इस टूर्नामेंट की तैयारी के तहत ऑस्ट्रेलिया बुधवार से भारत के खिलाफ पांच मैचों की ञ्20 सीरीज़ खेलेगा। मार्श ने साफ कहा कि टीम अपने अटैकिंग अप्रोच को बनाए रखेगी, भले ही बीच-बीच में असफलताएं क्यों न झेलनी पड़ें।

लगातार दो विश्व कप में चूके ऑस्ट्रेलियाई

मार्श ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया ने 2022 और 2024 के पिछले दो विश्व कप एडिशन में निराशाजनक प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा, ÷हमने दो वर्ल्ड कप खेले, लेकिन हम उतना अच्छा नहीं कर पाए जितनी उम्मीद थी। अब हम एक टीम के तौर पर खुद को यह चुनौती दे रहे हैं कि आखिर हमें क्या बदलाव करने होंगे ताकि हम फिर से खिताब जीत सकें।' उन्होंने बताया कि टीम ने पिछले कुछ सालों में 'आक्रामक बैटिंग अप्रोच' अपनाई है और यह उनके नए क्रिकेट कल्चर का हिस्सा बन चुका है। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि भारत में होने वाला वर्ल्ड कप हाई-स्कोरिंग होगा, और ऐसे हालात में हमें बिना झिझक आक्रामक क्रिकेट खेलनी होगी। हर मैच परफेक्ट नहीं होगा, लेकिन हमें अपने प्लान पर टिके रहना है।'

भारत से भिड़ंत : 'दो बेहतरीन टीमों की जंग'

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली पांच मैचों की सीरीज़ को लेकर मार्श ने इसे 'रोमांचक मुकाबला' बताया। उन्होंने कहा, 'भारत एक शानदार टीम है, जिसके लिए हमारे मन में गहरा सम्मान है। यह सीरीज़ दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक होगी क्योंकि दोनों टीमों के पास मैच विनर्स हैं।'

मार्श ने यह भी कहा कि वह भारत की वर्ल्ड कप तैयारियों पर कमेंट नहीं करेंगे, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम के भीतर जो आत्मविश्वास है, वह उन्हें मजबूत बना रहा है। उन्होंने कहा,'हमारे पास अब भी आठ मैच बाकी हैं वर्ल्ड कप से पहले, और हम लगातार सही दिशा में बढ़ रहे हैं।'

कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी IPL में नियमित रूप से खेलते हैं, जिनमें खुद मार्श भी शामिल हैं। लेकिन उन्होंने माना कि भारतीय खिलाड़ियों को नज़दीक से जानना इस सीरीज़ को आसान नहीं बनाएगा। उन्होंने कहा, 'अब तो दुनिया भर के क्रिकेटरों के पास हर किसी का फुटेज होता है। असली चुनौती यह नहीं कि आप सामने वाले को जानते हैं या नहीं बल्कि यह है कि आप दबाव में कितना बेहतर खेल पाते हैं।' मार्श ने भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह शानदार फॉर्म में हैं। एशिया कप में उन्होंने 44.85 की औसत और 200 के स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाए। वह टीम के लिए टोन सेट करते हैं और हमारे लिए एक बड़ा चैलेंज होंगे। आप हमेशा बेस्ट खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना चाहते हैं – और वह निश्चित रूप से उनमें से एक हैं। मार्श ने बताया कि इस सीरीज़ में कई खिलाड़ी रोटेशन में रहेंगे, क्योंकि कुछ खिलाड़ी शील्ड क्रिकेट और घरेलू सीरीज़ में व्यस्त हैं। लेग-स्पिनर एडम ज़म्पा अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण शुरुआती मैचों में नहीं खेलेंगे, जबकि जोश हेज़लवुड पहले दो मैचों के बाद हट जाएंगे और सीन एबॉट तीसरे मैच के बाद टीम से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने कहा, हमारे खिलाड़ियों का आना-जाना जारी रहेगा, लेकिन यह आधुनिक क्रिकेट का हिस्सा है। हर कोई अपनी भूमिका जानता है और टीम में आते ही उसे निभाने के लिए तैयार रहता है।

वित्तीय संकट में फंसे सक्षम एमएसएमई को ऋण दें बैंकः आरबीआई डिप्टी गवर्नर

एजेंसी

कोयम्बटूर। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों से अपील की है कि वे वित्तीय संकट में फंसे, लेकिन दोबारा खड़े होने में सक्षम सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण दें। केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने आरबीआई की स्थायी सलाहकार समिति के एमएसएमई को दिये गये ऋण की समीक्षा के लिए यहां आयोजित 30वीं बैठक को संबोधित करते हुए सूचना संबंधी विसंगतियों और वित्तीय जानकारी की खाई को भरने के लिए ट्रेड रिसिवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस) जैसे डिजिटल समाधानों को अपनाने, वैकल्पिक क्रेडिट आंकलन मॉडलों को बढ़ावा देने और वित्तीय संकट में फंसे लेकिन अन्यथा सक्षम कंपनियों को ऋण देने में निष्पक्ष और पारदर्शी ऋण प्रक्रिया अपनाने की अपील की। उन्होंने एमएसएमई संगठनों से भी क्षमता निर्माण और सूचना-खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जरूरत पर भी जोर दिया। श्री स्वामीनाथन ने इस सेक्टर के सामने आ रही मुश्किलों को दूर करने के लिए आरबीआई द्वारा किये गये नियामक उपायों का भी जिक्र किया। इसमें फ्लोटिंग रेट पर दिये गये ऋण को पहले पूरा चुकाने पर लगने वाले जुर्माने को समाप्त करना और आयात-निर्यात डाट प्रोसेसिंग एवं निगरानी प्रणाली संबंधी रिपोर्टिंग में रियायत देना शामिल है।

एसीटी फाइबरनेट ने लंबी अवधि के प्लान पर की 15 प्रतिशत तक छूट की घोषणा

नई दिल्ली। दक्षिण भारत में मजबूत उपस्थिति रखने वाली कंपनी एट्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज (एसीटी) फाइबरनेट ने उत्तर भारत में लंबी अवधि के प्लान पर 15 प्रतिशत तक छूट के पेशकश की है। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह छह महीने के प्लान पर 7.5 प्रतिशत और 12 महीने के प्लान पर 15 प्रतिशत की छूट देगी। ये ऑफर दिल्ली, गाजियाबाद, लखनऊ और जयपुर में उपलब्ध होंगे। अब इन शहरों के ग्राहक एसीटी फाइबरनेट के एआई-संचालित स्मार्ट वाई-फाई के फायदे उठा सकते हैं, जो इंटेलिजेंट बैंडविड्थ मैनेजमेंट, बेहतर कवरेज और कई डिवाइस पर स्थिर कनेक्शन प्रदान करता है, जिससे इंटरनेट का अनुभव और भी स्मार्ट और भरोसेमंद बन जाता है। उल्लेखनीय है कि कंपनी दक्षिण भारत के बाद अब उत्तर भारत में अपने कारोबार को बड़े पैमाने पर विस्तार देना चाहती है। कंपनी ने कहा है कि यह त्योहारी ऑफर केवल एआई-संचालित स्मार्ट वाई-फाई प्लान (मेश वैरिएंट्स को छोड़कर) पर लागू होगा। एट्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के विपणन प्रमुख रवि कार्तिक ने कहा, ÷इस त्योहारी मौसम में एसीटी फाइबरनेट अपने प्रमुख उत्पादों - एआई-आधारित स्मार्ट वाई-फाई - के साथ हर घर में खुशियां लेकर आ रहा है। उत्तर भारत के ग्राहक अब बिना किसी अतिरिक्त खर्च के निर्बाध और हाई-स्पीड इंटरनेट का आनंद ले सकते हैं।

चावल, गेहूं, चीनी, दालें मजबूत; खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये। गेहूं, चीनी और दालों की कीमतों में भी तेजी रही। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जनवरी वायदा 50 रिंगिट टूटकर 4,372 रिंगिट प्रति टन रह गया। अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 1.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 50.85 डॉलर के भाव बोला गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 138 रुपये बढ़कर 3,879.98 रुपये प्रति क्विंटल हो गयी। गेहूं भी 10 रुपये की तेजी के साथ 2,872.05 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। वहीं, आटे की कीमत पांच रुपये फिसलकर 3,325.83 रुपये प्रति क्विंटल रही। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा। मूंगफली तेल की औसत कीमत 42 रुपये और सरसों तेल की 58 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। वनस्पति भी 103 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सोया तेल 55 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। सूरजमुखी तेल की कीमत 45 रुपये और पाम ऑयल की 63 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी दाल-दलहनों मजबूती रही। चना दाल 149 रुपये और तुअर दाल 261 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 155 रुपये और मूंग दाल की 152 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। उड़द दाल भी 75 रुपये चढ़कर बोली गयी।

टीसीएस ने ब्रितानी अखबार के दावों को बताया भ्रामक

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज(टीसीएस) ने ब्रितानी अखबार 'द टेलीग्राफ' की उस रिपोर्ट को भ्रामक बताया है जिसमें कहा गया था कि स्थानीय ब्रिटेन की कंपनी मार्क एंड स्पेंसर (एमएंडएस) ने साइबर हमले रोकने में विफल रहने के कारण भारतीय कंपनी का अनुबंध समाप्त कर दिया है। टीसीएस ने सोमवार को शेयर बाजार को दिये गये बयान में कहा है, ÷टेलीग्राफ द्वारा प्रकाशित खबर भ्रामक है। इसमें अनुबंध की राशि और टीसीएस के मार्क एंड स्पेंसर के लिए काम करने की निरंतरता समेत तथ्यात्मक विसंगतियां हैं। उसने कहा कि दोनों ने पहले ही स्पष्ट किया है कि एमएंडएस के साथ उसके अनुबंध के बाद एक प्रतिस्पर्द्धी प्रस्ताव अनुबंध प्रक्रिया जनवरी 2025 में शुरू की गयी थी।

तेलंगाना, ओडिशा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में दलहन-तिलहन की बड़ी खरीद योजनाओं को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ सीजन 2025-26 के लिए तेलंगाना, ओडिशा, महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश में दालों एवं तिलहनों की खरीदी योजनाओं को मंजूरी दी है। इन राज्यों के लिए स्वीकृत कुल खरीद राशि 15095.83 करोड़ रुपए है, जिससे संबंधित राज्यों के लाखों किसानों को व्यापक लाभ मिलेगा।आज इन राज्यों के कृषि मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा) सहित कृषि एवं किसान कल्याण की योजनाओं के तहत ये स्वीकृतियां प्रदान की। बैठक में चर्चा के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तेलंगाना राज्य में मूंग (ग्रीन ग्राम) की कुल 4,430 मीट्रिक टन (जो राज्य उत्पादन का 25 प्रतिशत है) खरीद मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत 38.44 करोड़ रुपए की राशि पर स्वीकृति दी। उड़द (ब्लैकग्राम) की शत-प्रतिशत खरीद होगी, वहीं सोयाबीन की 25 प्रतिशत खरीद की स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार, ओडिशा राज्य में अरहर (रेड ग्राम) की 18,470 मीट्रिक टन (राज्य उत्पादन का 100 प्रतिशत) खरीद को क्क्स के तहत 147.76 करोड़ रुपए के बजट के साथ मंजूरी दी है। महाराष्ट्र में मूंग (ग्रीन ग्राम) की 33,000 मीट्रिक टन, उड़द (ब्लैक ग्राम) की 3,25,680 मीट्रिक टन और सोयाबीन की 18,50,700 मीट्रिक टन कुल मात्रा को पीसएस एस अंतर्गत क्रमशः 289.34 करोड़ रुपए , 2540.30 करोड़ रुपए और 9,860.53 करोड़ रुपए की कुल लागत पर मंजूरी दी गई है।इसके अलावा, मध्य प्रदेश में खरीफ 2025-26 के दौरान सोयाबीन की 22,21,632 मीट्रिक टन की मूल्य अंतर भुगतान योजना के तहत लागू होगी, जिसके लिए 1,775.53 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रभाव की स्वीकृति दी गई है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि ये मंजूरियां इसलिए दी गई हैं, ताकि किसानों को उनकी फसल पर बेहतर लाभ मिल सके और उनकी आय का संरक्षण सुनिश्चित हो, साथ ही किसानों को बाजार के उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिले, जो कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम है।शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों की आय और सम्मान की सुरक्षा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन 2025-26 के लिए इन राज्यों में दलहन और तिलहन की रिकॉर्ड खरीद से अनाज उत्पादन बढ़ेगा, किसानों को सुनिश्चित आय मिलेगी और भारत को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य साकार होगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह भी कहा कि सरकार ने तुअर, उड़द और मसूर की खरीद राज्य उत्पादन के 100 प्रतिशत तक करने की व्यवस्था नेफेड व एन सी सी एफ के माध्यम से की है, जिससे दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता का रास्ता खुलेगा। चौहान ने कहा कि उपज खरीदी का सीधा लाभ किसानों को ही मिलना चाहिए, इस संबंध में निगरानी रखी जाएं।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ जयेश लॉजिस्टिक्स का आईपीओ , तीन नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। जयेश लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का 28.63 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 29 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 30 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट करने के बाद 31 अक्टूबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 3 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 116 रुपये से लेकर 122 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। जयेश लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 2 लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,44,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 23,47,000 नए शेयर जारी हो रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 24 अक्टूबर शुक्रवार को जयेश लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने एंकर इनवेस्टर्स से 6.78 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में अर्नेस्टा ग्लोबल अपॉर्च्युनिटीज फंड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा, जिसने कंपनी के 1.98 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इसके अलावा, वीरा एआईएफ ट्रस्ट, एलआरएसडी सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, फॉर्च्यून हैंड्स ग्रोथ फंड और शाइन स्टार बिल्ड कैप प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.38 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

भारत के समुद्री क्षेत्र में एक ट्रिलियन डॉलर का निवेश संभावित : नितिन गडकरी

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत का समुद्री क्षेत्र लगभग एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर यानी करीब 84 लाख करोड़ रुपये का है। इस क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें निजी भागीदारी के जरिये और भी बढ़ाया जा सकता है। गडकरी ने मुंबई में आयोजित इंडिया मेरीटाइम वीक 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने अब तक टोल ऑपरेट ट्रांसफर (टीओटी), इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) जैसे मॉडल के माध्यम से 1.4 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं।

इससे निजी क्षेत्र की भागीदारी 10 प्रतिशत से बढ़कर 35 प्रतिशत तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि अगर इसी तरह के वित्तीय मॉडल बंदरगाह, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में लागू किए जाएं, तो परियोजनाओं के निष्पादन में तेजी आएगी, गुणवत्ता बेहतर होगी और सरकार का वित्तीय बोझ भी घटेगा। इंडिया मेरीटाइम वीक 2025 में 'नवोन्मेषी तंत्र द्वारा पोत वित्तपोषण' विषय पर कहा कि समुद्री क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था

को मजबूती देने के साथ-साथ लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा कर सकता है। गडकरी ने केंद्रीय पोत, जलमार्ग और बंदरगाह मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सागरमाला 2.0 विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सागरमाला 2.0 के तहत जहाज निर्माण, मरम्मत और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दिया जा रहा है, बंदरगाहों की क्षमता और दक्षता को मजबूत किया जा रहा है तथा तटीय अर्थव्यवस्था को नया जीवन दिया जा रहा है। साथ ही अंतर्देशीय जलमार्गों को भी पुनर्जीवित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

पीयूष गोयल ने जर्मन विदेश मंत्री से मुलाकात की, कई अहम मुद्दों पर हुई बात

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने जर्मनी के संघीय विदेश मंत्री जोहान वेडफुल से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी सहित कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक?स' पर जारी एक बयान में बताया कि आज जर्मनी के संघीय विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ बातचीत हुई। गोयल ने कहा कि उनकी चर्चा आपसी हित और विकास के प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित रही, जिससे भारत-जर्मनी की मजबूत रणनीतिक साझेदारी और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शीघ्र संपन्न करने की उनकी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

ब्रुसेल्स की दो दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री यूरोपीय संघ (ईयू) के कार्यकारी उपाध्यक्ष और यूरोपीय व्यापार आयुक्त, मारोस सेफ्कोविक के साथ एक उच्च-स्तरीय चर्चा करेंगे। पीयूष गोयल की यह यात्रा भारत-यूरोपीय संघ मुक्त

व्यापार समझौते पर चल रही वार्ता के एक महत्वपूर्ण चरण में हो रही है, क्योंकि दोनों पक्ष जल्द से जल्द एक व्यापक, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को संपन्न करने के प्रयासों को तेज कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत को बढ़ाने और राजनीतिक गति देने के लिए 27-28 अक्टूबर के दो दिवसीय ब्रुसेल्स के आधिकारिक दौरे पर हैं। इस दौरान वह अपने यूरोपीय संघ समकक्ष के साथ बातचीत भी करेंगे।

कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के तहत 7 परियोजनाओं को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। मल्टी-लेयर प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), एचडीआई पीसीबी, कैमरा मॉड्यूल, कॉपर क्लैड लैमिनेट और पॉलीप्रोपाइलीन फिल्म अब भारत में ही बनाई जाएंगी। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) के तहत 5,532 करोड़ रुपये मूल्य की 7 परियोजनाओं की पहली श्रृंखला को मंजूरी देने की घोषणा की। तमिलनाडु (5), आंध्र प्रदेश (1) और मध्य प्रदेश (1) में फैली हुई हैं। सात परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इन परियोजनाओं से 36,559 करोड़ रुपये मूल्य के कंपोनेंट का उत्पादन होगा और 5,100 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पीसीबी की हमारी 20 प्रतिशत घरेलू मांग और कैमरा मॉड्यूल सब-असेंबली की 15 प्रतिशत मांग इन संयंत्रों के उत्पादन से पूरी की जाएगी। उन्होंने

यह भी बताया कि कॉपर क्लैड लैमिनेट की माँग अब पूरी तरह से घरेलू स्तर पर पूरी की जाएगी। इन संयंत्रों के माध्यम से होने वाले अतिरिक्त 60 प्रतिशत उत्पादन का निर्यात किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार यह कदम भारत में तैयार उत्पादों के निर्माण से लेकर मॉड्यूल, घटकों, सामग्रियों और उनके निर्माण में प्रयुक्त मशीनरी के निर्माण तक की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ईसीएमएस योजना को घरेलू और वैश्विक दोनों कंपनियों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। 249 आवेदन प्राप्त हुए हैं। ये 1.15 लाख करोड़ रुपये के निवेश, 10.34 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन और 1.42 लाख रोज़गार के सृजन का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी निवेश प्रतिबद्धता है।

उल्लेखनीय है कि कैमरा मॉड्यूल कॉम्पैक्ट इमेजिंग इकाइयां हैं जो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में फ़ोटो और वीडियो कैप्चर करती हैं। भारत में इसके उत्पादन से स्मार्टफोन, ड्रोन, लैपटॉप, टैबलेट, चिकित्सा उपकरण, रोबोट और ऑटोमोटिव सिस्टम में इसका उपयोग संभव होगा। एचडीआई और मल्टी-लेयर पीसीबी मुख्य सर्किट बोर्ड हैं, जो प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को जोड़ते और नियंत्रित करते हैं। इनका उपयोग स्मार्टफोन, लैपटॉप, ऑटोमोटिव और औद्योगिक प्रणालियों में किया जाता है।

सितंबर में 1.51 करोड़ उपभोक्ताओं ने किया मोबाइल नंबर बदलने का आवेदन

एजेंसी

नई दिल्ली। मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) के लिए सितंबर महीने में 1.51 करोड़ उपभोक्ताओं / सबस्क्राइबरों ने आवेदन किया। संचार मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में बताया गया है कि कुल 1.51 करोड़ उपभोक्ताओं में से जोन-1 (उत्तर एवं पश्चिम भारत) के 84.5 लाख और जोन-2 (दक्षिण एवं पूर्वी भारत) के 66.8 लाख उपभोक्ता शामिल हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश सर्किल से सबसे अधिक 20.8 लाख उपभोक्ताओं ने एमएनपी के लिए आवेदन किया। दूसरे स्थान पर 14.5 लाख के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश सर्किल का स्थान रहा। सितंबर में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या अगस्त की तुलना में 0.61 प्रतिशत बढ़कर 99.56 लाख पर पहुंच गयी। इसमें 93.89 लाख मोबाइल ब्रॉडबैंड सबस्क्राइबर थे। सबसे अधिक 50.55 लाख ब्रॉडबैंड सबस्क्राइबर रिलायंस जियो के थे। भारती एयरटेल 31.04 लाख के साथ दूसरे और वोडाफोन आइडिया 12.78 लाख के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मंत्रालय के अनुसार, सितंबर में रिलायंस जियो के मोबाइल सबस्क्राइबर 0.68 प्रतिशत, बीएसएनएल के 0.57 प्रतिशत और भारती एयरटेल के 0.11 प्रतिशत बढ़े। वोडाफोन आइडिया के सबस्क्राइबरों की संख्या 0.37 प्रतिशत घट गयी।

शेयर बाजार में तेजड़ियों की वापसी, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ने आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही जोरदार मजबूती दिखाई। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में मुनाफा वसूली के चक्कर में कुछ बिकवाली भी हुई। इसके बावजूद ये दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बने रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.67 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। माना जा रहा है कि मजबूत ग्लोबल संकेतों के कारण आज घरेलू शेयर बाजार को काफी सहारा मिला। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों की शेयर बाजार में दमदार वापसी से भी मार्केट सेंटीमेंट्स में सुधार हुआ है। विदेशी निवेशकों की घरेलू बाजार में खरीदारी की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों को काफी सपोर्ट मिला है।

इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद के कारण भी शेयर बाजार की चाल में आज तेजी बनी रही। यूएस फेड की कल और परसों होने वाली बैठक होने वाली है। दावा किया जा रहा है कि अमेरिकी में महंगाई के आंकड़ों में आई कमी के कारण यूएस फेड ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला ले सकता है। इस उम्मीद की वजह से भी विदेशी निवेशकों ने भारत जैसे विकासशील देशों के स्टॉक मार्केट में अपना निवेश बढ़ा दिया है।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, रियल्टी और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही?। इसी तरह ऑटोमोबाइल, मेटल, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 471.90 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 468.92 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.98 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,502 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,178 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,113 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 211 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,865 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,436 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,429 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

डॉलर के मुकाबले 38 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। ।डॉलर इंडेक्स की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद इंपोर्ट बिल के दबाव की वजह से रुपये ने आज डॉलर समेत ज्यादातर प्रमुख मुद्राओं की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया। इंपोर्ट बिल के दबाव की वजह से मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में कमजोर होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 38 पैसे फिसल कर 88.24 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 87.86 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।

रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले सिर्फ1 पैसे की कमजोरी के साथ 87.87 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने की आशंका और इंपोर्ट बिल के दबाव की वजह से डॉलर की तुलना में रुपया 88.31 के स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि, आज का कारोबार खत्म होने के कुछ पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट की वजह से रुपये की स्थिति में भी सुधार हुआ। पूरे दिन चली उठापटक के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 38 पैसे की गिरावट के साथ 88.24 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के

मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 73.30 पैसे की कमजोरी के साथ 117.76 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 68.38 पैसे की गिरावट के साथ 102.69 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ।

मज़बूत माँग के साथ अर्थव्यवस्था में तेज़ी जारीः वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय की जारी एक मासिक रिपोर्ट में कहा गया है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के कार्यान्वयन और त्योहारी सीज़न के साथ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में माँग की स्थिति मज़बूत होने से देश की आर्थिक गतिविधियों में तेज़ी बनी हुई है। सितंबर, 2025 के लिए इस रिपोर्ट में कहा गया है, मुद्रास्फीति नियंत्रण में है।

और खाद्य श्रेणियों में अपस्फीति से इसमें मदद मिली है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति घट कर 1.7 प्रतिशत तक आई है। गैर-खाद्य और गैर-ईंधन वस्तुओं की कीमतें स्थिरता के साथ सितंबर 2025 में मुख्य मुद्रास्फीति (विनिर्मित उत्पाद के वर्ग की) अनुमानित 4.6 प्रतिशत रही। वित्त मंत्रालय ने कहा कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र ने आपूर्ति पक्ष में अच्छा विस्तार किया है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अनुमान से ज़्यादा वृद्धि और दूसरी तिमाही में लगातार वृद्धि के रुझानों को देखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष के वृद्धि के अनुमान को सुधार किया है और इसके 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट में देश के वैश्विक व्यापार के संबंध में कहा गया है, अनिश्चितताओं से भरे वैश्विक व्यापार परिदृश्य के बीच, भारत की बाह्य आर्थिक गतिविधियाँ वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में मजबूत बनी हुई हैं।

छठ पर 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का हुआ व्यापार, 'स्वदेशी छठ' कैंपेन ने बढ़ाई लोकल प्रोडक्ट्स की बिक्री : कैट

एजेंसी

नई दिल्ली। हर वर्ष पूरे देश में विश्वास और भक्ति के साथ मनाए जाने वाले चार दिवसीय छठ पर्व को लेकर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने व्यापार के आंकड़े जारी किए हैं। कैट की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में 10 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा छठ पूजा मनाई गई, जिससे 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक का व्यापार हुआ।इसमें से अकेले राजधानी दिल्ली में लगभग 8,000 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ। इसके अलावा, बिहार में लगभग 15,000 करोड़ रुपए और झारखंड में लगभग 5,000 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ। कैट के सेक्रेटरी जनरल प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश, खासकर पूर्वांचल क्षेत्र, छठ पूजा के मुख्य केंद्र बने हुए हैं। इन राज्यों और क्षेत्रों में त्योहार को लेकर सबसे ज्यादा भीड़ देखी जाती है और घाट और पूजा के सामान की मांग देखी जाती है। उन्होंने कहा, 'बड़ी संख्या में पूर्वांचली आबादी के कारण दिल्ली

और एनसीआर क्षेत्र में इस त्योहार से जुड़े व्यापार को लेकर जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। दिल्ली सरकार ने 1,500 घाट बनाए और पूजा सामग्री, अस्थायी ढांचों, सुरक्षा और साफ-सफाई से जुड़ी व्यवस्था को लेकर एक बड़ी राशि खर्च की गई।'

खंडेलवाल ने कहा कि छठ पूजा का आर्थिक प्रभाव अब अपने पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर मेट्रो शहरों और उभरते राज्यों तक फैल गया है, जहां प्रवासी समुदायों ने स्थानीय स्तर पर मजबूत मांग पैदा की है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस खास त्योहार के दौरान बेचे जाने वाली वस्तुओं में केले, गन्ना, नारियल, मौसमी फल, चावल और अनाज जैसे खेती से जुड़ी वस्तुएं; प्रसाद और मिठाइयां जैसे ठेकुआ, खीर बनाने का सामान, लड्डू और गुड़ से बनी चीजें; पूजा का सामान जैसे टोकरियां, मिट्टी के दीये, पत्तों की प्लेटें, फूल और मिट्टी के बर्तन शामिल थे। इसके अलावा, घाट बनाने, लाइटिंग, साफ-सफाई, नाव सर्विस और सुरक्षा इंतजाम जैसी त्योहार से जुड़ी सर्विस में भी काफी व्यापार हुआ। कैट के सेक्रेटरी जनरल खंडेलवाल ने बताया कि पीएम मोदी की स्वदेशी अपील को ट्रेड बॉडीज और आम लोगों द्वारा उत्साह से अपनाया गया। देश भर में पारंपरिक ठेकुआ बनाने वाले, मिट्टी के कारीगर, बांस और केले के पत्ते की टोकरी बनाने वाले और गुड़ बनाने वालों को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेशी छठ' कैंपेन शुरू हुए। इस पहल के साथ लोकल हैंडीक्राफ्ट और देसी प्रोडक्ट्स की जबरदस्त बिक्री दर्ज की गई।

भूकंप से हिला तुर्किये, बालिकेसिर प्रांत में सबसे अधिक तबाही, 6.1 मापी गई तीव्रता

एजेंसी

अंकारा (तुर्किये)। तुर्किये के बालिकेसिर प्रांत में भूकंप से भारी तबाही हुई है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 रही। भूकंप के जोरदार झटके स्तांबुल और अन्य शहरों में भी महसूस किए गए। घबराए लोग घरों से बाहर निकल आए। तमाम इमारतें तेज झटकों की वजह से धराशायी हो गईं। देश की आपातकालीन एजेंसी ने यह जानकारी दी। टीआरटी वर्ल्ड न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, तुर्किये की आपातकालीन एजेंसी ने बताया कि रात देश के बालिकेसिर प्रांत में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। तुर्किये के आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार रात 10:48 बजे (1948 जीएमटी) आया। किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। भूकंप का केंद्र 5.99 किलोमीटर की गहराई पर था और इस्तांबुल सहित आसपास के प्रांतों में भी महसूस किया गया। तुर्किये के उपराष्ट्रपति सेवदत यिलमाज ने तुर्किये के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कहा, आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य संबंधित संस्थानों ने निरीक्षण शुरू कर दिया है और रिपोर्टों की सावधानीपूर्वक समीक्षा की जा रही है। तुर्किये टुडे अखबार के अनुसार, प्रमुख शहरों में 40 सेकंड तक झटके महसूस किए गए। आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, भूकंप का प्रभाव बालिकेसिर प्रांत के सिंदिरगी जिले में सबसे अधिक महसूस किया गया।

कैटेगरी-5 तूफान 'मेलिसा' जमैका की ओर बढ़ा, तबाही की चेतावनी

किंग्स्टन। कैरेबियाई देश जमैका पर अब तक के सबसे भीषण तूफान का खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी नेशनल हरिकेन सेंटर (एनएचसी) ने चेतावनी दी है कि कैटेगरी-5 'हरिकेन मेलिसा' सोमवार रात या मंगलवार सुबह तक जमैका के तट से टकरा सकता है, जिससे 'विनाशकारी तबाही' की आशंका है।

165 मील प्रति घंटे की रफ्तार, 13 फीट ऊंची लहरें

एनएचसी के अनुसार, मेलिसा की गति 165 मील प्रति घंटे (265 किमी/घंटा) तक पहुंच चुकी है और इसके साथ 13 फीट तक ऊंची समुद्री लहरें और 40 इंच तक बारिश हो सकती है। इससे बाढ़, भूस्खलन और बिजली तथा जल आपूर्ति ठप पड़ने का खतरा है। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि तूफान के चलते 'वृहद पैमाने पर बुनियादी ढांचे को नुकसान' होगा और कई समुदायों का संपर्क पूरी तरह कट सकता है।

जमैका में अनिवार्य निकासी आदेश जारी

सरकार ने तटीय इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश दिया है। यह तूफान संभवतः जमैका के इतिहास का सबसे शक्तिशाली हरिकेन साबित हो सकता है। मेलिसा के चलते अब तक हैती में तीन और डोमिनिकन रिपब्लिक में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है।

तुर्किए ने ब्रिटेन से 20 यूरोफाइटर टाइफून जेट खरीदने के लिए 8 अरब पाउंड का समझौता किया

अंकारा। तुर्किए ने अपनी वायुसेना को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए ब्रिटेन से 20 यूरोफाइटर टाइफून लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए 8 अरब पाउंड (लगभग 13.8 अरब सिंगापुर डॉलर) का समझौता किया है। यह समझौता ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन के बीच अंकारा में हुआ। इस डील से दोनों नाटो सहयोगियों के बीच रक्षा संबंध और मजबूत होंगे और तुर्की की हवाई रक्षा क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। इससे पहले, जुलाई में तुर्किए और ब्रिटेन ने 40 टाइफून विमानों की प्रारंभिक खरीद पर समझौता किया था, जिसे यूरोफाइटर कंसोर्टियम (जर्मनी, इटली और स्पेन) ने मंजूरी दी थी। इस कंसोर्टियम में एयरबस, बीएई सिस्टम्स और लियोनार्डो जैसी कंपनियां शामिल हैं। राष्ट्रपति एर्दोआन और प्रधानमंत्री स्टार्मर के बीच हुए इस समझौते से तुर्किए को अपने पुराने एफ-16 विमानों के बेड़े को बदलने में मदद मिलेगी। तुर्किए ने हाल ही में अमेरिका से 40 एफ-16 विमानों की खरीद के लिए 7 अरब डॉलर का सौदा भी किया था, जो अब तक लंबित है। सूत्रों के अनुसार, तुर्किए को अपनी तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए कतार और ओमान से 12 इस्तेमाल किए गए टाइफून विमानों की डिलीवरी जल्द मिल सकती है, जबकि नए विमानों की आपूर्ति ब्रिटेन से आने वाले वर्षों में होगी।

सूडान में गृहयुद्ध गहराया : दारफुर शहर पर अर्धसैनिक बल का कब्जा, देश के बंटवारे का खतरा बढ़ा

खार्तूम। सूडान में गृहयुद्ध के हालात और गंभीर हो गए हैं। अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने दारफुर क्षेत्र के अल-फशीर शहर में सेना के अंतिम ठिकाने को भी लगभग अपने कब्जे में ले लिया है। यह वही शहर है जो पिछले 18 महीनों से घेराबंदी में था। अगर ऋस्त्र इस शहर पर पूरी तरह नियंत्रण कर लेती है, तो इससे देश दो हिस्सों में बंटने की स्थिति बन सकती है। आरएसएफ की इस बढ़त से लगभग 2.5 लाख नागरिकों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है, जो अब भी अल-फशीर में फंसे हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के अनुसार, अब तक 26,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। अमेरिकी वरिष्ठ अधिकारी मस्साद बुलोस ने अल जज़ीरा से कहा कि यदि दारफुर क्षेत्र पूरी तरह आरएसएफ के नियंत्रण में आ जाता है।

ट्रंप प्रशासन की नीतियों के बावजूद रिपब्लिकन और डेमोक्रेट सांसदों ने मिलकर किया भारत-अमेरिका संबंधों का समर्थन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के सांसद मिलकर भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में जुट गए हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब कुछ महीने पहले ट्रंप प्रशासन ने भारत के हितों के खिलाफ कई नीतियां लागू की थीं। सांसदों का कहना है कि दोनों पार्टियों को मिलकर इस साझेदारी का समर्थन करना चाहिए और भारत-अमेरिका रिश्तों को मजबूत रखना चाहिए। पिछले दस दिनों में कम से कम छह संयुक्त पत्र और प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इन पत्रों में भारतीय अमेरिकी समुदाय के हितों की सुरक्षा करने और भारत-अमेरिका के सहयोग को बनाए रखने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही ट्रंप प्रशासन से उन नीतियों के लिए जवाबदेही मांगी गई है। पिछले हफ्ते अमेरिकी सांसदों ने रटगर्स यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम

को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम हिंदुओं के खिलाफ गलत धारणाओं और पूर्वाग्रह को बढ़ावा दे सकता है, खासकर तब जब अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमले की घटनाएं बढ़ रही हैं। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में जॉर्जिया से डेमोक्रेट सैनफोर्ड बिशप, इलिनॉय से श्री थानेदार, वर्जीनिया से सुहास सुब्रमण्यम और जॉर्जिया से रिपब्लिकन रिच मैककॉर्मिक शामिल थे। इसके दो दिन पहले छह सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रंप और वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने एच-1बी वीजा नियमों को लेकर अपनी चिंता जताई। पत्र में कहा गया कि यह नई नीतियां अमेरिकी नियोक्ताओं के लिए मुश्किलें बढ़ाएंगी और अमेरिका की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को कमजोर करेंगी। इस पत्र पर डेमोक्रेट सुहास सुब्रमण्यम और रिपब्लिकन सांसद जॉय ओबरनोल्टे और डॉन बेकन समेत अन्य सांसदों ने भी हस्ताक्षर किए। 17 अक्टूबर को चार अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रंप को पत्र लिखा और भारत में होने वाले क्वाड लीडर्स समिट और एशिया की अन्य बैठकों में हिस्सा लेने का आग्रह किया।

गाजा में रेडक्रॉस ने हमास से मिले एक और बंधक का शव इजराइल को सौंपा

एजेंसी

गाजा पट्टी/तेल अवीव। आतंकवादी समूह हमास ने सोमवार रात एक बंधक का शव (अवशेष) रेडक्रॉस को सौंप दिया। इसके बाद रेडक्रॉस अधिकारियों ने बंधक के ताबूत को इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के अधिकारियों के पास पहुंचाया। इजराइल की पुलिस इसे पहचान के लिए तेल अवीव स्थित अबू कबीर फोरेंसिक संस्थान पहुंचाएगी। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हमास ने कहा कि उसने सोमवार रात एक बंधक के अवशेष रेडक्रॉस को सौंप दिए। हमास ने अमेरिका और इजराइल की चेतावनी के बाद बंधकों के शव तेजी से खोज रहा है। अगर इस शव की पहचान बंधक के रूप में होती है तो गाजा में मृत बंधकों की संख्या घटकर 12 रह जाएगी। इजराइल का कहना है कि आतंकवादी समूह 10 अक्टूबर से लागू युद्धविराम की शर्तों का पालन करने में आनाकानी कर रहा है। इस समझौते के तहत हमास को 72 घंटों के भीतर सभी जीवित और मृत 48 बंधकों के शव वापस करने थे। हमास ने सभी 20 जीवित बंधकों को सौंप दिया है, लेकिन गाजा में मौजूद 28 में से केवल चार शव ही निर्धारित समय सीमा के भीतर वापस किए गए। हमास ने बयान में कहा कि उसने दिन में एक बंधक के शव के अवशेष खोजे। हमास ने सिर्फ इतनी ही जानकारी दी, जबकि अल जजीरा टीवी चैनल ने बताया कि शव उत्तरी पट्टी में गाजा शहर के तुफ्फाह इलाके में खोज अभियान के मिला चैनल 13 की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली खुफिया एजेंसियों का मानना है कि हमास गाजा में छुपा कर रखे गए 13 मारे गए बंधकों में से 10 के अवशेष ढूंढ सकता है। इनमें कर्नल आसफ हमामी और लेफ्टिनेंट हदर गोल्डिन शामिल हैं।

यूनाइटेड बलोच आर्मी का भागनाडी शहर पर पूर्ण नियंत्रण, लड़ाई में थाना प्रभारी समेत छह अधिकारी मारे गए

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में आजादी आंदोलन में सक्रिय यूनाइटेड बलोच आर्मी (यूबीए) ने जिला काची के भागनाडी शहर में पूर्ण नियंत्रण करते हुए सेना और पुलिस को खदेड़ दिया। इस दौरान हुई भीषण गोलीबारी में एक पुलिस थाना प्रभारी समेत छह अधिकारी मारे गए। पश्तो भाषा में प्रकाशित होने वाले द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह घोषणा यूबीए के प्रवक्ता मजार बलोच ने मीडिया को जारी बयान में की। उन्होंने कहा कि यूबीए कमांडरों ने 27 अक्टूबर की शाम लगभग 4:30 बजे जिला काची की तहसील में भागनाडी शहर के प्रवेश द्वारों को अवरुद्ध कर हमला किया। यूनाइटेड बलोच आर्मी के प्रवक्ता मजार बलोच ने दावा किया कि प्रवेश द्वारों को अवरुद्ध करने के बाद कमांडरों और लड़ाकों ने बड़ी संख्या में शहर में प्रवेश किया। इस दौरान पुलिस स्टेशन, एनएडीआरए कार्यालय, लेवी पुलिस स्टेशन, तहसीलदार कार्यालय और नेशनल बैंक के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि थाने की घेराबंदी करने के दौरान पुलिस वालों को हथियार डालने की चेतावनी दी गई। मगर उन्होंने हमला कर दिया। इस पर हमारी आर्मी के लड़ाकों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की और भीषण झड़प हुई। लड़ाई में पुलिस थाना प्रभारी लुत्फ अली समेत तीन कर्मी मारे गए और तीन घायल हो गए। प्रवक्ता के अनुसार, लड़ाकों ने लेवी थाने की घेराबंदी कर वहां मौजूद 11 कैदियों को रिहा करा

लिया। इस दौरान लेवी कर्मियों के सरकारी हथियार छीन लिए। थाने की इमारत में आग लगा दी। इसके बाद नेशनल बैंक और तहसीलदार कार्यालय को फूंक दिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि कुछ घंटों बाद फ्रंटियर कोर (एफसी) की टुकड़ी शहर में पहुंच गई। इसके बाद लड़ाकों और एफसी के बीच लगभग एक घंटे तक भीषण लड़ाई हुई। इसमें एफसी के तीन जवान मारे गए और कई घायल हो गए। उन्होंने कहा कि संघर्ष के दौरान अंतिम रक्षात्मक पंक्ति में संगत साहिब खान बंगालजई उर्फ शौकत ने अपनी जान की परवाह किए बिना पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम किया और अपने प्राणों की आहुति देकर अपने बाकी साथियों को सुरक्षित बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त किया। प्रवक्ता ने कहा कि संगठन शहीद साहिब खान बंगालजई के पराक्रम को सदैव याद रखेगा। प्रवक्ता ने कहा कि जब तक हम स्वतंत्र बलोचिस्तान हासिल नहीं कर लेते, तब तक ऐसे हमले जारी रहेंगे।

भारी बर्फबारी के चलते मुक्तिनाथ क्षेत्र में हजारों पर्यटक फंसे, ज्यादातर भारतीय

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में बीती रात से शुरू हुई बारिश आज सुबह भारी बर्फबारी में बदल गई है। मुक्तिनाथ क्षेत्र में हो रही बर्फबारी के कारण वहां दर्शन के लिए पहुंचे हजारों पर्यटकों के फंसने की जानकारी सामने आई है। मुस्तांग जिला स्थित प्रसिद्ध मुक्तिनाथ क्षेत्र में आज सुबह से बर्फबारी हो रही है। मुस्तांग के प्रमुख जिला अधिकारी विष्णु प्रसाद भुसाल ने बताया कि मौसम विभाग की तरफ से यह बर्फबारी बुधवार तक होने की जानकारी दी गई है। मुस्तांग जिला प्रशासन ने बुधवार तक मुक्तिनाथ और आसपास के क्षेत्रों में ट्रैकिंग पर नहीं जाने की सलाह दी है। जिला प्रशासन के तरफ से जारी सूचना में कहा गया है कि जो यात्री मुक्तिनाथ क्षेत्र के आसपास फंसे हैं वो सुरक्षित स्थानों पर कल तक रहें। मौसम में सुधार होने के बाद ही लोगों को यात्रा की सलाह दी गई है। जिला प्रशासन के मुताबिक मुक्तिनाथ क्षेत्र में सोमवार को 15 हजार पर्यटक दर्शन के लिए पहुंचे, जिनमें अधिकांश भारतीय पर्यटक हैं। सभी पर्यटकों को

फिलहाल गाड़ी से यात्रा नहीं करने और बुधवार तक पदयात्रा पर नहीं निकलने की सलाह दी गई है। इसी तरह गोरखा जिले के उत्तरी हिस्से में भी आज तड़के से ही बर्फबारी हो रही है। गोरखा जिले के सीमावर्ती जिलों में करीब 5 से 6 फिट तक बर्फ जम गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बर्फबारी के कारण रोजमर्रा की जिंदगी काफी प्रभावित हुई है। चीन से सटे चुम्नुब्री गांव के निवासी पासांग फुञ्जो लामा ने बताया कि सीमावर्ती सभी गांवों में आम जनजीवन बर्फबारी के कारण ठप है। मौसम विभाग के तरफ से हिमपात की चेतावनी तो दी गई लेकिन इतनी भारी बर्फबारी होगी, इसका अनुमान नहीं लगाया गया था। नेपाल के मौसम विभाग ने बुधवार तक गंडकी, कर्णाली और लुम्बिनी प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र में बर्फबारी होने की चेतावनी दी गई है। अरब सागर में न्यून चापीय प्रणाली के विकसित होने के कारण मौसम में बदलाव होने की जानकारी दी गई है। मौसम विभाग द्वारा पूरे देश में लगातार तीन दिनों तक बारिश होने का अनुमान भी लगाया गया है।

अमेरिकी सीईओ ने 'एच-1 बी कार्यक्रम को 'घोटाला' करार दिया, कहा भारतीय कामगारों का भी शोषण हो रहा है

एजेंसी

वाशिंगटन। प्रमुख अमेरिकी निवेश कंपनी 'एजोरिया' के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और पूर्व में सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जेम्स फिशबैक ने एच-1 बी वीज़ा कार्यक्रम को 'बड़ा धोखा' करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। उन्होंने उन कंपनियों की भी आलोचना की है जो 'अमेरिकी प्रतिभाओं' को छोड़कर विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति करती हैं। फिशबैक ने आरोप लगाया कि भारत से सस्ते श्रमिकों को नियुक्त करने से योग्य अमेरिकी कामगारों का शोषण होता है, जिससे उन्हें नौकरी के अवसर नहीं मिलते। इसके साथ ही इस कार्यक्रम से विदेशी श्रमिकों का भी शोषण भी होता है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, फ़िशबैक ने लिखा, तथाकथित अमेरिकी कंपनियाँ कहती हैं कि उनके पास एच-1 बी कार्यक्रम का उपयोग करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है क्योंकि उन्हें इन नौकरियों के लिए अमेरिकी नहीं मिल रहे हैं। फ़िशबैक के अनुसार, वर्तमान भर्ती प्रक्रियाएँ नौकरी के विज्ञापनों को अस्पष्ट करके और विदेशी कर्मचारियों को प्राथमिकता देकर अमेरिकी कर्मचारियों की उपेक्षा करती हैं। उन्होंने कहा, यह एक कड़वी सच्चाई है। वे अमेरिकियों की तलाश ही नहीं कर रहे हैं। वे उनका साक्षात्कार लेने से इनकार करते हैं। वे बॉक्स चेक करने के लिए अस्पष्ट समाचार पत्रों में नौकरी के विज्ञापन छिपाते हैं, और जब कोई आवेदन नहीं करता है, तो वे एक और विदेशी कर्मचारी को आयात करते हैं। एक और योग्य अमेरिकी को नौकरी, वेतन और इन दोनों के साथ आने वाले सम्मान और उद्देश्य से वंचित करते हैं। यह शर्मनाक है। अब समय आ गया है कि एच-1 बी घोटाले को पूरी तरह से खत्म किया जाए। फिशबैक की यह टिप्पणी ट्रम्प प्रशासन द्वारा एच-1बी वीज़ा आवेदनों के लिए शुल्क बढ़ाकर एक लाख डालर करने की घोषणा के कुछ हफ़्तों बाद आई है। यह कार्यक्रम विशेषतौर पर विदेशी कर्मचारियों के लिए सालाना 65,000 वीज़ा प्रदान करता है, जिनका उपयोग मुख्य रूप से तकनीकी कंपनियाँ करती हैं। एच-1बी वीज़ा के सबसे बड़े प्राप्तकर्ता भारतीय हैं, जिनका वित्त वर्ष 2024 में स्वीकृत कुल आवेदनों में 70% से अधिक हिस्सा है। इस बीच अपने पोस्ट में फिशबैक ने दावा किया कि अमेरिका में भारतीय कामगारों का भी शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा, भारतीय और चीनी सोचते हैं कि वे बेहतर स्थिति में हैं, लेकिन अंततः उनका भी शोषण होता है। हालाँकि मुझे उनसे कोई सहानुभूति नहीं है, क्योंकि वे अमेरिकी नागरिकों को दोयम दर्जा देने और हमारे साथ अपने ही देश में गुलामों जैसा व्यवहार करने में मुख्य रूप से भागीदार हैं। फिशबैक ने आरोप लगाया कि भारत से सस्ते विदेशी श्रमिक लाने से कंपनियों की स्थिति बेहतर नहीं होती, बल्कि जो कर्मचारी अमेरिका में योग्य नौकरियों के हकदार हैं, उनकी स्थिति और भी बदतर है क्योंकि उनके पास उस कंपनी में काम करने और उस सहायता को प्राप्त करने के लिए आय अर्जित करने का अवसर नहीं है।

इस्तांबुल में पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता का तीसरा दिन, नहीं हो सकी प्रगति

एजेंसी

इस्तांबुल (तुर्किये)। तुर्किये के शहर इस्तांबुल में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच वार्ता का तीसरा दिन (सोमवार) बिना किसी निर्णय के समाप्त हो गया। पाकिस्तान के आतंकवाद-रोधी मांगों पर अड़े रहने और तालिबान वार्ताकारों के काबुल के नक्शेकदम पर चलने के कारण वार्ता नया सत्र एक तरह से स्थगित हो गया। दोनों पक्ष अपनी-अपनी बातों पर अड़े हुए हैं। पाकिस्तान के अखबार द न्यूज ने उच्चस्तरीय सूत्रों के हवाले से इस वार्ता पर अपनी रिपोर्ट में आज सुब यह जानकारी दी। हालांकि दोनों सरकारों की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। न ही मध्यस्थ तुर्किये ने कोई टिप्पणी की है। रिपोर्ट के अनुसार, उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि काबुल प्रशासन ने इस्लामाबाद की आतंकवाद-रोधी प्रमुख शर्तों को मानने से इनकार कर दिया। यह सत्र असहमति से भरा रहा। पाकिस्तान अपने प्रस्तावों पर अड़ा रहा, जबकि अफगान तालिबान प्रतिनिधिमंडल काबुल के निर्देशों के सामने विवश रहा। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि तालिबान प्रतिनिधिमंडल काबुल से निर्देश ले रहा है और वार्ता के दौरान अफगान प्रशासन से बार-बार परामर्श कर रहा है। काबुल से कोई उत्साहजनक प्रतिक्रिया न मिलने से गतिरोध और बढ़ गया है। दोनों पक्षों के बीच तीसरे दौर की वार्ता इसी महीने सीमा पर हुई हालिया झड़पों और दोनों पक्षों के बीच हुई झड़पों के बाद शुरू हुई। इस्लामाबाद ने अपने सैद्धांतिक रुख को दोहराते हुए तालिबान शासन से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को संरक्षण देना बंद करने का आग्रह किया है। कतर और तुर्किये की मध्यस्थता में युद्धविराम पर सहमति के बाद दोनों देशों ने दो दौर की बातचीत की है।

तालिबान राजदूत जईफ को पाकिस्तान ने नहीं, अफगानिस्तान ने ही सौंपा था अमेरिका को, पूर्व आईएसआई प्रमुख हक का दो दशक बाद दावा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य कुछ दिनों से जारी तनाव के बीच इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व प्रमुख जनरल एहसान-उल-हक का ताजा दावा तालिबान शासन को नागवार गुजरने वाला हो सकता है। यह घटनाक्रम संयुक्त राज्य अमेरिका में 11 सितंबर, 2001 (09/11) के हमलों के समय पाकिस्तान में पदस्थ रहे तालिबान राजदूत अब्दुस सलाम जईफ को लेकर किया गया है। जईफ खुलेआम कहते रहे हैं कि उन्हें पेशावर में अमेरिका को सौंपा गया। आईएसआई के पूर्व प्रमुख हक ने कहा कि यह सरासर झूठ है। जईफ को उनके अपने अफगानिस्तान के लोगों ने अमेरिका को सौंपा। डान अखबार की रिपोर्ट में इस ताजा विवाद पर विस्तार से चर्चा की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान पर आक्रमण के बाद पाकिस्तान के अमेरिकी सेना को सौंपे गए कुख्यात दस्तावेज के 20 साल से भी ज्यादा समय बाद किया गया एहसान-उल-हक का दावा दोनों पड़ोसी देशों के रिश्तों को और खराब कर सकता है। हक ने 11 सितंबर, 2001 के हमलों के बाद ही आईएसआई की कमान संभाली थी। अब तक यही माना जाता रहा है कि जईफ को पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए अमेरिकियों को सौंपा था।

तालिबान के पूर्व दूत जईफ अपनी बहुचर्चित पुस्तक माई लाइफ विद द तालिबान में दावा कर चुके हैं कि उन्हें पेशावर में अमेरिकी हिरासत में दिया गया था। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जईफ के इस दावे को आज तक किसी भी पाकिस्तानी अधिकारी ने कभी सार्वजनिक रूप से चुनौती नहीं दी। हक ने हाल ही में एक सेमिनार में इस पर लंबी टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि कैसे पिछली तालिबान सरकार की मान्यता समाप्त की गई और कैसे पाकिस्तानी अधिकारियों ने महीनों तक दूत जईफ को इस्लामाबाद छोड़ने के लिए मनाने की कोशिश की।

पूर्व जनरल हक ने कहा कि जईफ अड़े रहे। तब उन्हें उन्हें हेलीकॉप्टर से तोरखम सीमा पर ले जाया गया। सीमा पार करते ही अफगानिस्तान में घुसने पर उन्हें अफगान अधिकारियों ने गिरफ्तार कर अमेरिकी सेना को सौंप दिया। इसके बाद उन्हें ग्वांतानामो बे स्थानांतरित कर दिया गया। हक ने कहा कि ज़ईफ ने ग्वांतानामो बे के कुख्यात अमेरिकी हिरासत केंद्र में लगभग चार साल बंदी के रूप में बिताए और 2005 में रिहा हुए। रिपोर्ट के अनुसार, जईफ से हक की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया मांगी गई। ज़ईफ ने दो टूक शब्दों में पूर्व जनरल के बयान को खारिज कर दिया। पूर्व आईएसआई प्रमुख हक ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि संबंध टूटने के बावजूद ज़ईफ पाकिस्तान में राजदूत के आधिकारिक आवास में ही रहते रहे। उनके यहां विदेशी मीडिया का डेरा लगा रहता था। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2001 में अमेरिका के काबुल पर बमबारी शुरू करने के बाद तालिबान नेताओं ने अफगानिस्तान छोड़ना शुरू कर दिया। उनकी पाकिस्तान में निर्वासित सरकार बनाने की योजना थी।

उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री की रूसी राष्ट्रपति के साथ अहम बैठक

एजेंसी

मॉस्को। रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ते सहयोग के तहत उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चो सोन हुई ने सोमवार को यहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में मौजूदा वैश्विक राजनीतिक घटनाक्रम पर अहम विचार विमर्श किया।मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि उत्तर कोरिया की शीर्ष राजनयिक ने पुतिन के साथ क्रेमलिन में अत्यंत महत्वपूर्ण वार्ता की है। हालांकि रिपोर्टों में इस वार्ता का कोई तथ्यात्मक ब्यौरा नहीं दिया गया है। गौरतलब है कि यह वार्ता पिछले महीने पुतिन और उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग उन के बीच हुई बैठक के बाद हुई है। इस बीच उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने मंगलवार को बताया कि सोन हुई ने इससे पहले रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ एक अलग बैठक की जिसमें उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ पुतिन के युद्ध के लिए अपने देश के अटूट समर्थन की पुष्टि की।

उत्तर कोरिया ने हाल के महीनों में यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की सहायता के लिए हजारों सैनिक और बड़ी मात्रा में सैन्य उपकरण भेजे हैं। इस बढ़ते गठबंधन ने उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति की उस मुखर विदेश नीति को बढ़ावा दिया है जिसके तहत वह अंतर्राष्ट्रीय तौर पर अलग थलग ना रहकर अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों के खिलाफ रूस के साथ एक संयुक्त मोर्चे की स्थापना का प्रयास कर रहे हैं। पुतिन और जोंग उन की मुलाकात सितंबर में चीन की राजधानी बीजिंग में हुई थी, जहां वे द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक प्रमुख सैन्य परेड में शामिल हुए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2019 में जोंग उन की परमाणु कूटनीति विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ किसी भी प्रकार की बातचीत से परहेज किया है। उधर इस समय में एशियाई देशों की यात्रा कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी दक्षिण कोरिया यात्रा के दौरान किम जोंग उन से एक बार फिर से मिलने की इच्छा जाहिर की है।

ट्रंप-शी मुलाकात से पहले चीन के विदेशमंत्री ने अमेरिकी समकक्ष से बात की

एजेंसी

बीजिंग। चीन के विदेशमंत्री वांग यी ने सोमवार को अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो के साथ फोन पर बातचीत की। वांग ने उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की अच्छी तैयारी के लिए एक-दूसरे से मिलेंगे और द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार करेंगे। वांग ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विश्वस्तरीय नेता हैं। दोनों आपसी सम्मान साझा करते हैं। यह चीन-अमेरिका संबंधों के लिए सबसे मूल्यवान रणनीतिक संपत्ति रही है। चाइना डेली अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, यह टेलीफोनिक बातचीत शी जिनपिंग की एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग के 32वें आर्थिक नेताओं की बैठक में भाग लेने के लिए कोरिया गणराज्य की यात्रा से तीन दिन पहले हुई। विदेश मंत्रालय ने बार-बार कहा है कि राष्ट्राध्यक्ष की कूटनीति ने चीन-अमेरिका संबंधों में एक अपूरणीय रणनीतिक मार्गदर्शक भूमिका निभाई है। इस साल ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से शी जिनपिंग ने उनसे तीन बार जनवरी, जून और सितंबर में बातचीत की है। वांग ने चीन-अमेरिका संबंधों के व्यापक महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि इसका विश्व की दिशा पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक सुदृढ़, स्थिर और टिकाऊ द्विपक्षीय संबंध दोनों देशों के दीर्घकालिक हितों की पूर्ति करते हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षाओं को पूरा करते हैं।

बलोचिस्तान के रीको में पाकिस्तानी सेना पर हमला, कई जवान मारे गए, तुर्बत में केच डीसी के काफिले पर विस्फोट

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने सेना को निशाना बनाया। इस हमले में कई जवान मारे गए और कुछ घायल हो गए। इसके अलावा केच के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) के काफिले को धमाके से उड़ाने की कोशिश की गई। डीसी सुरक्षित हैं। कच्छी जिले में लेवीज थाना और कई इमारतों को फूंक दिया गया। द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की रिपोर्ट के अनुसार, केच जिले की बुलेदा तहसील के रोंगान के रीको क्षेत्र में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमला किया। इस हमले में कई जवान मारे गए और कुछ घायल हो गए। हमलावर जवानों के हथियार भी लूट ले गए। इस घटना पर अब तक अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। अभी तक किसी ने भी इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। हाल के महीनों में बलोचिस्तान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमले बढ़े हैं। आजादी समर्थक संगठन

अकसर सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हैं। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को तुर्बत में केच के डिप्टी कमिश्नर के काफिले को निशाना बनाकर सड़क किनारे किए गए बम विस्फोट में लेवी नौ अधिकारी और एक राहगीर घायल हो गए। एक अन्य घटना में हथियारबंद दर्जनों लोगों ने कच्ची जिले के एक कस्बे में धावा बोल दिया और पुलिस थाने में आग लगा दी। इस दौरान पुलिस के साथ भीषण मुठभेड़ के बाद भाग निकले। अधिकारियों ने कहा कि एक मोटरसाइकिल में लगाया गया इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस एक सुरक्षा वाहन के बगल में तब फटा जब डीसी का काफिला तुर्बत में थाना रोड पर पहुंचा। तुर्बत के पुलिस उपाधीक्षक नजीर अहमद ने बताया कि शक्तिशाली विस्फोट में सुरक्षा वाहन में मौजूद कम से कम नौ लेवी कर्मी और एक राहगीर घायल हो गए। डिप्टी कमिश्नर बुलेटप्रूफ वाहन में यात्रा कर रहे थे। वह विस्फोट में सुरक्षित रहे। विस्फोट के तुरंत बाद सुरक्षा बल और पुलिस जवान घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को तुर्बत जिला अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने अस्पताल के अधिकारियों के हवाले से कहा, दो कर्मियों की हालत गंभीर है। विस्फोट में एक सुरक्षा वाहन नष्ट हो गया। डीसी का बुलेटप्रूफ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। आसपास खड़ी कम से कम एक दर्जन इमारतों और पांच वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। दूसरी ओर, दर्जनों आतंकवादियों ने कच्छी जिले के भाग कस्बे पर हमला कर लेवीज़ थाने व अन्य सरकारी इमारतों में आग लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि दो हमलावरों को भी मार गिराया गया। एक शव को आतंकवाद निरोधी विभाग ने कब्जे में ले लिया और दूसरे को भागते हुए आतंकवादी अपने साथ ले गए।

खबर संक्षेप

आसमान में नई ऊंचाइयां छू रहा उत्तर प्रदेश, हवाई यात्री और कार्गो ट्रैफिक में रिकॉर्ड वृद्धि

लखनऊ, 28 अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब न केवल सड़क पर, बल्कि आसमान में भी विकास की उड़ान भर रहा है। राज्य की हवाई कनेक्टिविटी और यात्री संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है, जिससे प्रदेश अब भारत की हवाई ग्रोथ स्टोरी में एक अहम किरदार बन गया है। अप्रैल से अगस्त 2025 की अवधि में उत्तर प्रदेश के हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 14.6त्न बढ़कर 60.02 लाख हो गई है। वहीं इस अवधि में भारत के कुल हवाई यातायात में राज्य की हिस्सेदारी 3.52% तक पहुंच गई, जो 2024 की तुलना में 34 बेसिस पॉइंट्स अधिक है। इससे साफ है कि अब देश के हर 30 में से एक हवाई यात्री उत्तर प्रदेश से यात्रा कर रहा है। राज्य में हवाई यात्रियों की बढ़ती संख्या केवल आंकड़ों की बात नहीं, बल्कि उस दूरदर्शी सोच का परिणाम है जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने 'कनेक्टेड यूपी, समृद्ध यूपी' विजन के तहत पेश की थी। उनका लक्ष्य रहा है कि हर क्षेत्र, हर जिला आधुनिक परिवहन से जुड़े ताकि पर्यटन, व्यापार और रोजगार में नई गति आए। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुभारंभ के साथ इस रफ्तार में और भी वृद्धि होगी और सिर्फ यूपी ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों को भी कनेक्टिविटी के नए अवसर प्राप्त होंगे।

2017 से 2025 तक यूपी की हवाई यात्रा का सफर

साल 2016-17 में जहां उत्तर प्रदेश के हवाई अड्डों से 59.97 लाख यात्री यात्रा करते थे, वहीं FY2024-25 में यह संख्या बढ़कर 142.28 लाख तक पहुंच गई। इनमें 129.29 लाख घरेलू और 12.99 लाख अंतरराष्ट्रीय यात्री शामिल रहे। इस दौरान राज्य का कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट 10.1% रहा, जो एविएशन सेक्टर में तेजी से बढ़ती मांग को दर्शाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान FY2020-21 में यात्री संख्या 48.35 लाख तक गिर गई थी, लेकिन यूपी ने सबसे तेज रिकवरी दिखाई। अयोध्या, प्रयागराज और वाराणसी बने स्टार परफॉर्मर

राज्य के कई शहरों ने इस ग्रोथ में अहम योगदान दिया है। 2023-24 से 2024-25 के बीच वाराणसी में 34.4%, प्रयागराज में 76.4%, गोरखपुर में 27.6त्न और कानपुर में 13.3% की वृद्धि दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि धार्मिक पर्यटन और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी ने यात्री संख्या को तेजी से बढ़ाया है। खासतौर पर अयोध्या एयरपोर्ट, जिसे मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि के नाम पर समर्पित किया था, अब उत्तर भारत के सबसे तेजी से बढ़ते टर्मिनल्स में शामिल है। 2023-24 में जहां 2 लाख से ज्यादा पैसेंजर्स ने यहां से हवाई उड़ान भरी थी तो वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा बढ़कर 11 लाख से अधिक पहुंच गया। वहीं प्रयागराज और वाराणसी से भी धार्मिक और व्यावसायिक उड़ानों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

जेपी नड्डा ने की 31वीं केंद्रीय पर्यवेक्षण बोर्ड बैठक की अध्यक्षता, अंतर-राज्यीय सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को केंद्रीय पर्यवेक्षण बोर्ड (सीएसबी) की 31वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पीसी एवं पीएनडीटी अधिनियम के तहत की गई प्रगति की समीक्षा की गई तथा लैंगिक भेदभाव और भ्रूण लिंग निर्धारण की रोकथाम के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दोहराया गया। इस बैठक में जेपी नड्डा ने सैंपल पंजीकरण सर्वेक्षण (एसआरएस) 2021-23 के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत में जन्म के समय लिंगानुपात 917 महिलाओं प्रति 1000 पुरुष तक सुधरा है, और 12 राज्यों ने राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, उत्तराखंड और हरियाणा जैसे राज्यों के नवोन्मेषी प्रयासों—जैसे स्टिंग ऑपरेशन और राज्य टास्क फोर्स गठन—की सराहना की।

स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य स्तर पर कार्यशालाएं और संवाद आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि डिजिटल युग की चुनौतियों जैसे ऑनलाइन विज्ञापन, पोर्टेबल डायग्नोस्टिक उपकरण और जीन परीक्षण से निपटा जा सके। उन्होंने जागरूकता, अनुभव-साझाकरण और अंतर-राज्यीय सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुन्या सलीला श्रीवास्तव ने महिलाओं और बच्चों के कल्याण को लेकर मंत्रालय की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि एसआरएस 2023 के अनुसार जन्म के समय लिंगानुपात 899 (2016-18) से बढ़कर 917 (2021-23) हुआ है।

उन्होंने पीसी और पीएनडीटी अधिनियम के कार्यान्वयन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संयुक्त प्रयासों को रेखांकित किया।

इस अवसर पर

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की राज्य मंत्री सवित्री ठाकुर ने लिंग चयन एवं भ्रूण हत्या को रोकने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना की और कहा कि हर बेटी का जन्म उत्सव मनना चाहिए। उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पहल की प्रभावशीलता को भी रेखांकित किया।

खेतों से हाईटेंशन बिजली लाइन निकलने पर किसानों को मिलेगा 200 प्रतिशत मुआवजा

भोपाल, 28 अक्टूबर (हि.स.)। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक हुई, जिसमें कई अहम निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में खेतों के ऊपर से बिछाई जाने वाली हाई टेंशन लाइन में आने वाली निजी जमीन के मालिकों को सरकार ने बड़ी राहत देने का फैसला किया है। निर्णय लिया गया है कि अब किसानों की जितनी जमीन लाइन डालने के बदले अधिग्रहित की जाएगी, उसके बदले में किसानों को कलेक्टर गाइड लाइन पर 200 प्रतिशत भुगतान किया जाएगा। अब तक यह 85 प्रतिशत राशि कलेक्टर गाइड लाइन के आधार पर दी जा रही है। इसके अलावा बैठक में राजधानी भोपाल में सरकारी मकान न छोड़ने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों से 30 प्रतिशत राशि पेनाल्टी के रूप में वसूलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि अति उच्च दाब पारेषण 132 केवी और उससे बड़ी लाईन बिछाने के लिए किसानों को दी जाने वाली मुआवजा/क्षतिपूर्ति राशि में वृद्धि करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। स्वीकृति अनुसार टॉवर लगाने पर दी जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि को 85 प्रतिशत से बढ़ाकर 200 प्रतिशत किया गया है। साथ ही ट्रान्समिशन लाइन के आरओडब्ल्यू (राइट ऑफ वे) में आने वाली भूमि की क्षतिपूर्ति राशि को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया गया है। क्षतिपूर्ण क्षेत्रफल में टॉवर के चार पाए के अलावा सब तरफ 1-1 मीटर की अतिरिक्त वृद्धि की गयी है।

गुरु परंपरा ने भारत को दिया त्याग और बलिदान का संदेश: सीएम योगी

लखनऊ, 28 अक्टूबर। सिख समुदाय की आस्था का प्रतीक चरण सुहावे गुरु चरण यात्रा के पवित्र जोड़ा साहिब का लखनऊ में भव्य स्वागत हुआ। यह यात्रा सिख समुदाय के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी और माता साहिब कौर के पवित्र जोड़ा साहिब से जुड़ी है, जो सिख आस्था का अत्यंत पवित्र प्रतीक मानी जाती है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे।

लखनऊ के यहियागंज गुरुद्वारे में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवाणी सुनी और यात्रा सदस्यों को पटुका पहनाकर सम्मानित किया। गुरुद्वारा कमेटी ने सीएम योगी को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी परंपरा में यह कहा गया है, 'जिथे जाए बहे मेरा सतगुरु, सो थान सुहावा राम राजे।' अर्थात जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान रामराज्य की तरह पवित्र और पुण्यभूमि बन जाता है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा हमें उस गौरवशाली गुरु परंपरा से जोड़ती है, जिसने भारत की संस्कृति, साहस और बलिदान की भावना को नई दिशा दी।

सीएम योगी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर शुरू हुई है। यह केवल श्रद्धा की यात्रा नहीं, बल्कि त्याग, बलिदान और राष्ट्र समर्पण की प्रेरणा देने वाली यात्रा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं का भारत की सनातन परंपरा में योगदान अविस्मरणीय है। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविंद सिंह जी महाराज और उनके चार साहिबजादों ने जिस प्रकार धर्म, देश और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया, वह भारत के इतिहास को नई प्रेरणा देता है।

यह त्याग, बलिदान और राष्ट्र समर्पण की प्रेरणा देने वाली यात्रा है- सीएम

यहियागंज गुरुद्वारा हमारी साझा आस्था और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग ढाई सौ वर्षों से गुरु महाराज के पावन चरण पादुकाएं, जो पहले अखंड भारत के हिस्से पाकिस्तान में थीं, अब पटना साहिब में स्थापित की जा रही हैं। दिल्ली से शुरू हुई यह यात्रा पूरे देश में गुरु परंपरा के प्रति सम्मान और गौरव का भाव जगाती जा रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ का यहियागंज गुरुद्वारा इसलिए भी विशेष है क्योंकि गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की स्मृतियां इस स्थान से जुड़ी हैं। यह गुरुद्वारा हमारी साझा आस्था और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।

सीएम योगी ने सिख समुदाय के प्रति आदर व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है।

उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख समाज की यह यात्रा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शन है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस गुरु चरण यात्रा को राष्ट्रीय एकता और आध्यात्मिक जागरण के संदेश के रूप में आगे बढ़ाएं।

भारत विकास परिषद, तौषी शाखा द्वारा शाखा स्तरीय राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता 2025 आयोजित

जम्मू, 28 अक्टूबर। भारत विकास परिषद की तोषी शाखा ने शाखा स्तरीय राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता 2025 का आयोजन सेंट ज़ेवियर्स कॉन्वेंट स्कूल, बरनाई, जम्मू में किया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. दिलीप कुमार उपस्थित थे। उन्होंने प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने समूह गीतों और संगीत के माध्यम से एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सुंदर प्रदर्शन किया है।

प्रतियोगिता में सेंट ज़ेवियर्स कॉन्वेंट स्कूल, बरनाई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि महाराजा हरि सिंह एग्रीकल्चरल कॉलेजिएट स्कूल, नागबानी ने द्वितीय स्थान और सरकारी बालिका मध्य विद्यालय, बरनाई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। के.एस. पब्लिक स्कूल, मुठी को चतुर्थ पुरस्कार प्रदान किया गया।

निर्णायक मंडल में श्री कपिल अनिरुद्ध (सहायक निदेशक, हस्तशिल्प, वस्त्र मंत्रालय, जम्मू), सुश्री अंबिका सांभ्याल (सहायक निदेशक, वस्त्र मंत्रालय, उदमपुर) और श्री सूरज शर्मा

(आकाशवाणी कलाकार एवं संगीत चिकित्सक) शामिल थे। उन्होंने समूह गीत की बारीकियों पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को समर्पण एवं परिश्रम से जीवन में सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर श्री अरुण शर्मा, क्षेत्रीय संयुक्त सचिव, भारत विकास परिषद, उत्तरी क्षेत्र, प्रांत पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन श्री अजय खजूरिया, अध्यक्ष, भारत विकास परिषद, तौषी शाखा के समग्र मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन बड़े ही सुव्यवस्थित ढंग से श्री जगमोहन शर्मा, सचिव, भारत विकास परिषद ने किया। आयोजन में श्री सेवा दास डिगरा, श्री अरविंद खजूरिया (पर्यावरण संयोजक), श्री सी.एम. शर्मा (तौषी शाखा संस्कार गतिविधि संयोजक), श्री बलवंत सिंह, श्री विनोद कुमार (संगठन मंत्री) और श्री सतपाल शर्मा (सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक, पंजाब नेशनल बैंक) का विशेष सहयोग रहा।

प्रत्येक पाठशाला की टोली को स्कूल के लिए परिषद् द्वारा प्रकाशित भारत को जानो नामक प्रश्नोत्तरी पुस्तक और तोषी शाखा की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट प्रदान की गई। विशिष्ट अतिथियों तथा प्रतिभागी स्कूल के लिए पर्यावरण प्रेम का प्रतीक पौधों सहित एक एक गमला देकर सम्मानित भी दिया गया।

कार्यक्रम के अवसर पर सेंट ज़ेवियर्स कॉन्वेंट स्कूल की प्राचार्या श्रीमती मृदुला पाधा ने भारत विकास परिषद का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा, हमारे विद्यालय के लिए यह गर्व का विषय है कि हमें ऐसे आयोजन की मेज़बानी का अवसर मिला। उन्होंने आगे कहा, इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को उजागर करती हैं, बल्कि युवाओं में एकता, अनुशासन और देशभक्ति के मूल्यों को भी सुदृढ़ करती हैं।

कार्यक्रम का शुभ आरंभ ज्योति प्रज्वलन, भारत माता तथा स्वामी विवेकानंद के चित्रों पर मालार्पण तथा राष्ट्र गीत वंदे मातरम से हुआ और समापन राष्ट्रगान जन गण मन से हुआ जिन्हें सामूहिक रूप में पूरी श्रद्धा के साथ गाया गया। कार्यक्रम के अंत में जलपान की व्यवस्था भी की गई थी।

मुख्यमंत्री ने सभी फिटनेस प्रेमियों को कश्मीर मैराथन-2025 में भाग लेने का दिया खुला निमंत्रण

श्रीनगर, 28 अक्टूबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में कश्मीर मैराथन-2025 के आधिकारिक सामान का अनावरण किया। इस आयोजन के प्रतिभागियों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन की गई टोपी, पदक और रेसिंग किट एक संक्षिप्त समारोह में प्रदर्शित किए गए जिसमें मीडिया और पर्यटन विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी फिटनेस प्रेमियों को अपनी क्षमता का परीक्षण करने और 2 नवंबर को होने वाले कश्मीर मैराथन-2025 के दूसरे संस्करण में भाग लेने का खुला निमंत्रण दिया। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन के लिए पहले ही उत्साहजनक संख्या में पंजीकरण प्राप्त हो चुके हैं जिसमें विशेष रूप से पूर्ण मैराथन श्रेणी में विदेशी एथलीटों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि शामिल है।इस तरह के खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए कश्मीर के अनूठे आकर्षण पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कश्मीर देश का एकमात्र ऐसा स्थान है जो मैराथन के लिए इतनी प्राकृतिक सुंदरता और आदर्श मौसम प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि धावक हाफ मैराथन श्रेणी में झेलम रिवरफ्रंट, लाल चौक, डलगेट और सुंदर डल झील तट सहित श्रीनगर के कुछ सबसे प्रतिष्ठित स्थलों को पार करेंगे जबकि फुल मैराथन प्रतिभागी हजरतबल और कश्मीर विश्वविद्यालय की ओर आगे दौड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि धावक 6-8 डिग्री सेल्सियस के तापमान में प्रतिस्पर्धा करेंगे जो गर्म मौसम में देश भर के अन्य मैराथन स्थलों की तुलना में एक दुर्लभ लाभ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कश्मीर मैराथन तेजी से एक प्रमुख खेल आयोजन के रूप में विकसित हो रहा है और जल्द ही दिल्ली मैराथन जैसे प्रसिद्ध मैराथन के साथ खड़ा होगा जो दो दशकों से अधिक समय से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन आशीष चंद्र वर्मा, पर्यटन निदेशक कश्मीर राजा याकूब फारूक, जेकेटीडीसी की एमडी श्रेया सिंघल, सचिव रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स, हारिस अहमद हांडू, संयुक्त निदेशक पर्यटन वसीम राजा, अतिरिक्त सचिव पर्यटन ओवैस मुश्ताक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

टपक सिंचाई (ड्रिप सिंचाई) के फायदे और नुकसान

-डॉ0 अरविन्द सिंह

वर्तमान में पृथ्वी पर 140 करोड़ घन मीटर जल है जिसका 9। प्रतिशत भाग खारा जल है जो समुद्रों में स्थित है। मनुष्यों के हिस्से में कुल 136 हजार घन मीटर जल ही बचता है। संपूर्ण विश्व में जल की खपत प्रत्येक 20 वर्ष में दुगुनी हो जाती है जबकि धरती पर उपलब्ध जल की मात्रा सीमित है। अत: जल संरक्षण आज अत्यन्त ही आवश्यक है। कृषि में सिंचाई हेतु टपक सिंचाई जैसी विधि को अपनाकर हम जल को संरक्षित कर संपोषित विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

टपक सिंचाई क्या है?

टपक सिंचाई , सिंचाई की वह विधि है जिसमें जल को मंद गति से बूँद-बूँद के रूप में फसलों के जड़ क्षेत्र में एक छोटी व्यास की प्लास्टिक पाइप से प्रदान किया जाता है। इस सिंचाई विधि का आविष्कार सर्वप्रथम इसराइल में हुआ था जिसका प्रयोग आज दुनिया के अनेक देशों में हो रहा है। इस विधि में जल का उपयोग अल्पव्ययी तरीके से होता है जिससे सतह वाष्पन एवं भूमि रिसाव से जल की हानि कम से कम होती है।

सिंचाई की यह विधि शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के लिए अत्यन्त ही उपयुक्त होती है जहाँ इसका उपयोग फल बगीचों की सिंचाई हेतु किया जाता है। टपक सिंचाई ने लवणीय भूमि पर फल बगीचों को सफलतापूर्वक उगाने को संभव कर दिखाया है। इस सिंचाई विधि में उर्वरकों को घोल के रूप में भी प्रदान किया जाता है। टपक सिंचाई उन क्षेत्रों के लिए अत्यन्त ही उपयुक्त है जहाँ जल की कमी होती है, खेती की जमीन असमतल होती है और सिंचाई प्रक्रिया खर्चीली होती है।

टपक सिंचाई के लाभ

पारम्परिक सिंचाई की तुलना में टपक सिंचाई के अनेकों लाभ हैं जो निम्नलिखित हैं

1. टपक सिंचाई में जल उपयोग दक्षता 95 प्रतिशत तक होती है जबकि पारम्परिक सिंचाई प्रणाली में जल उपयोग दक्षता लगभग 50 ऋप्रतिशत तक ही होती है। अत: इस सिंचाई प्रणाली में अनुपजाऊ भूमि को उपजाऊ भूमि में परिवर्तित करने की क्षमता होती है।
2. टपक सिंचाई में उतने ही जल एवं उर्वरक की आपूर्ति की जाती है जितनी फसल के लिए आवश्यक होती है। अत: इस सिंचाई विधि में जल के साथ-साथ उर्वरकों को अनावश्यक बर्बादी से रोका जा सकता है।
3. इस सिंचाई विधि से सिंचित फसल की तीव्र वृद्धि होती है फलस्वरूप फसल शीघ्र परिपक्व होती है।
4. टपक सिंचाई विधि खर-पतवार नियंत्रण में अत्यन्त ही सहायक होती है क्योंकि सीमित सतह नमी के कारण खर-पतवार कम उगते हैं।
5. जल की कमी वाले क्षेत्रों के लिए यह सिंचाई विधि अत्यन्त ही लाभकर होती है।
6. टपक सिंचाई में अन्य सिंचाई विधियों की तुलना में जल अमल दक्षता अधिक होती है।
7. इस सिंचाई विधि से जल के भूमिगत रिसाव एवं सतह बहाव से हानि नहीं होती है।
8. इस सिंचाई विधि को रात्रि पहर में भी उपयोग में लाया जा सकता है।
9. टपक सिंचाई विधि अच्छी फसल विकास हेतु आदर्श मृदा नमी स्तर प्रदान करती है।
10. इस सिंचाई विधि में रासायनिक उर्वरकों को घोल रूप में जल के साथ प्रदान किया जा सकता है।
11. टपक सिंचाई में जल से फैलने वाली पादप रोगों के फैलने की सम्भावना कम होती है।
12. इस सिंचाई विधि में कीटनाशकों एवं कवकनाशकों के धुलने की संभावना कम होती है।
13. लवणीय जल को इस सिंचाई विधि से सिंचाई हेतु उपयोग में लाया जा सकता है।
14. इस सिंचाई विधि में फसलों की पैदावार 150 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।
15. पारम्परिक सिंचाई की तुलना में टपक सिंचाई में 70 प्रतिशत तक जल की बचत की जा सकती है।
16. टपक सिंचाई में अन्य सिंचाई विधियों की तुलना में मजदूरी की कीमत कम होती है।
17. इस सिंचाई विधि के माध्यम से लवणीय, बलुई एवं पहाड़ी भूमियों को भी सफलतापूर्वक खेती के काम में लाया जा सकता है।
18. टपक सिंचाई में मृदा अपरदन की संभावना नहीं के बराबर होती है, जिससे मृदा संरक्षण को बढ़ावा मिलता है।
19. टपक सिंचाई में जल का वितरण समान होता है।
20. टपक सिंचाई में फसलों की पत्तियाँ नमी से युक्त होती हैं जिससे पादप रोग की संभावना कम रहती है।
21. टपक सिंचाई से उर्जा की भी बचत होती है।

टपक सिंचाई की हानियां

टपक सिंचाई में लाभ के साथ-साथ कुछ हानियां भी होती हैं जो निम्नलिखित हैं

1. टपक सिंचाई प्रणाली का आरंभिक संस्थापन खर्चीला होता है।
2. टपक सिंचाई में उपयोग होने वाली पाइपों को चूहों द्वारा क्षति पहुचाने का खतरा होता है।

3. गाढ़े जल को इस सिंचाई विधि से उपयोग में नही लाया जा सकता क्योंकि इससे निकास के जाम होने का खतरा होता है।
4. इस सिंचाई विधि में पादपों के समीप लवण के संचय का खतरा रहता है।

भारत में टपक सिंचाई

पिछले 15 से 20 वर्षों में टपक सिंचाई विधि की भारत के विभिन्न राज्यों में लोकप्रियता बढ़ी है। आज देश में 3.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल टपक सिंचाई के अन्तर्गत आता है जो कि 1960 में मात्र 40 हेक्टेयर था। भारत में टपक सिंचाई के अन्तर्गत सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले मुख्य राज्य महाराष्ट्र (94 हजार हेक्टेयर), कर्नाटक (66 हजार हेक्टेयर) और तमिलनाडु (55 हजार हेक्टेयर) हैं।

टपक सिंचाई प्रणाली

एक आदर्श टपक सिंचाई प्रणाली, पम्प ईकाई , नियन्त्रण प्रधान, प्रधान एवं उप-प्रधान नली , पार्श्विक एवं निकास से बनी होती है।

पम्प ईकाई जल स्रोत से जल को लेकर के पाइप प्रणाली में जल के रिहाई हेतु उचित दबाव बनाती है। नियन्त्रण प्रधान में कपाट होता है जो पाइप प्रणाली में जल की मुक्ति एवं दबाव को नियन्त्रित करता है। इसमें जल की सफाई हेतु छननी भी होती है। कुछ नियन्त्रण प्रधान में उर्वरक अथवा पोषक जलकुंड भी होता है।